MUMBAI TARANG

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

अच्छे दिनों के लिए बुरे दिनों से लड़ना पड़ता है, जीवन में चाहे जितना भी ऊंचा उड़े, परन्तु कठिनाइयों के दिनों को नहीं भूलना चाहिए,

मुंबई तरंग

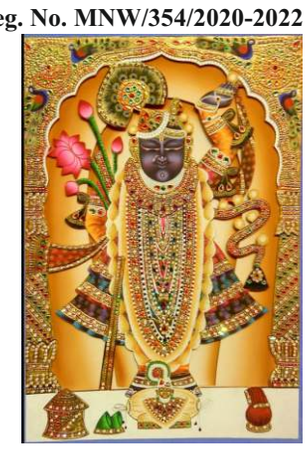

www.mumbaitarang.com

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-10 ❖ मुंबई ❖ रविवार 27 फरवरी से 05 मार्च 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3

बेटी नीलोफर को यकीन- बाहर आएंगे पिता कहा- यह न्याय की लड़ाई और हम लड़ते रहेंगे

पेज 5

स्टॉक्स में बदलाव:जोमैटो, पेटीएम और नायका निफ्टी नेक्स्ट 50 में होंगी शामिल

पेज 7

मनी लॉन्ड्रिंग केस:ED की पूछताछ में जैकलीन फर्नांडीज का खुलासा

पेज 8

25 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बचाव दल ने 50 फीट गहरे बोरवेल में फंसे मासूम को बचाया, खुशी से रो पड़े परिजन

2 मार्च से खुलेंगे सभी स्कूल

प्री-प्राइमरी से 12वीं तक पूरी क्षमता के साथ खोलने की अनुमति

मुंबई: राज्य के पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे द्वारा हरी झंडी मिलते ही बीएमसी ने मुंबई में सभी स्कूलों को पूरी क्षमता के साथ खोलने की घोषणा कर दी। बीएमसी कमिश्नर आईएस चहल ने सर्कुलर जारी कर 2 मार्च, 2022 से मुंबई में प्री-प्राइमरी से 12वीं तक के सभी स्कूलों, जूनियर कॉलेजों को खोलने की अनुमति दे दी।

20 मार्च, 2020 के बाद अब 2 मार्च, 2022 को पूरी क्षमता के साथ मुंबई में सभी स्कूल-कॉलेज खुलेंगे। इसमें सभी बोर्डो, अनुदानित, गैर-अनुदानित और सभी माध्यमों के स्कूल शामिल होंगे। स्पेशल व दिव्यांग विद्यार्थियों के स्कूल भी उसी तरह से खुलेंगे जैसे कोरोना संकट से पहले खुलते थे। किसी बीमारी से ग्रसित विद्यार्थी को भी उसके परिजन की सहमति के बाद स्कूल आने की अनुमति होगी। विद्यार्थियों को स्कूल आने के लिए कुछ कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करना होगा। स्कूल में प्रवेश से पहले विद्यार्थियों का टेम्परेचर नापा जाएगा। स्कूलों में शिक्षकों और कर्मचारियों की शत प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य की गई है। साथ ही टीचर और कर्मचारी शत प्रतिशत वैक्सिनेटेड होने चाहिए।

महाराष्ट्र खुफिया विभाग से खफा शरद पवार

सरकार में जल्द हो सकता है बड़ा फेरबदल

मुंबई: महाविकास अघाड़ी सरकार के राज में जल्द ही बड़े बदलाव के संकेत हैं। भरोसेमंद सूत्रों का कहना है कि यह बदलाव नौकरशाही से लेकर सरकार तक में हो सकते हैं। महाविकास अघाड़ी सरकार के मुखिया शरद पवार और तमाम प्रभावशाली मंत्री इस बात से खासे नाराज हैं कि राज्य के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक की गिरफ्तारी से पहले सीआरपीएफ का इतना बड़ा मूवमेंट हुआ और राज्य के खुफिया विभाग को इसकी भनक तक नहीं लगी। कई मंत्रियों ने और खुद शरद पवार ने गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटील को अपनी नाराजगी से अवगत कराया है। इधर, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी चाहते हैं कि राज्य की नौकरशाही में ऐसे अफसरों को तैनात किया जाए, जो केंद्रीय जांच एजेंसियों के मूवमेंट के बराबर मूवमेंट कर सकें।

कौन बनेगा सीएस?

महाराष्ट्र में पिछले दो बार से सीएस यानी मुख्य सचिव का पेंच फंसता आ रहा है। वर्तमान मुख्य सचिव देवाशीश चटर्जी का कार्यकाल 28 फरवरी को खत्म हो रहा है। देवाशीष चटर्जी को उस वक्त अचानक राज्य के मुख्य सचिव का कार्यभार अतिरिक्त तौर पर रात में दिया गया जब दिसंबर में तत्कालीन मुख्य सचिव सीताराम कुंटे के एक्सटेंशन की फाइल अप्रूव होकर दिल्ली से नहीं लौटी थी। इसके बाद देवाशीष चटर्जी को मुख्य सचिव पद की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई और उनके रिटायरमेंट के दो हफ्ते पहले ही उनको अधिकारिक तौर पर मुख्य सचिव की पूरी जिम्मेदारी दी गई। इसके बाद सत्ता के गलियारे में चर्चा चलने लगी कि देवाशीष को कम से कम तीन महीने का सेवा विस्तार और दिया जाएगा। हालांकि मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि देवाशीष चटर्जी को सेवा विस्तार दिए जाने की फाइल अब तक दिल्ली भेजी ही नहीं गई है। यानी 28 फरवरी के बाद राज्य की ब्यूरोक्रेसी में बदलाव तय माना जा रहा है।

वैसे भी देवाशीष चटर्जी का पहले ही महाराष्ट्र एपीलेट ट्रिब्यूनल मेट के लिए सिलेक्शन हो चुका है। सवाल यह कि अगर देवाशीष मुख्य सचिव नहीं रहेंगे तो नया मुख्य सचिव कौन बनेगा? फिलहाल 3 नाम चल रहे हैं। जिनमें मनु कुमार श्रीवास्तव, सुजाता सौनिक और तीसरा उनके पति मनोज सौनिक का है। इन तीनों में सबसे सीनियर मनु कुमार श्रीवास्तव हैं। दरअसल, मुख्य सचिव की नियुक्ति के मामले में ठाकरे सरकार फूंक-फूंक कर कदम रख रही है, क्योंकि डीजीपी संजय पांडे के मामले में वह अदालत से फटकार खा चुकी है।

खाली होंगे कई पद

जल्द ही सीनियर ब्यूरोक्रेट के तौर पर वंदना कृष्णा और जयश्री बनर्जी भी रिटायर होनी है। साथ ही मार्च में मुंबई मनपा के चुनाव होने तक कोई प्रशासक बनाया जाना है। एमएसआरडीसी के चैयरमैन राधेश्याम मोपवलवार का भी कार्यकाल 28 फरवरी को खत्म हो रहा है। जबकि समृदधि महामार्ग के पहले चरण का उद्घाटन होना है। ऐसे में उनको भी सेवा विस्तार मिल सकता है। इसके अलावा सरकार म्हाडा, एमएमआरडीए और महामेट्रो जैसे कॉरपोरेशन के लिए भी नए चेहरे तलाश रही है।

मंत्रिमंडल में फेरबदल!

यह तो बात हुई ब्यूरोक्रेसी की दूसरी तरफ कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले बार बार सरकार में फेरबदल की बात कर रहे हैं। यह बात अलग है कि पटोले की घोषणाओं को कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है लेकिन जिस तरह के हालात इन दिनों बने हुए हैं उसे देखते हुए यदि नवाब मलिक को मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ता है तो कांग्रेस के बहाने ही शरद पवार और उद्धव ठाकरे अगर राज्य मंत्रिमंडल में फेरबदल करवा दे तो इसमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

मुंबई में एक मार्च से बढ़ेगी दूध की कीमत

मुंबई: तबेले के ताजे दूध(Milk) पीने वाले को अब अपनी जेब ज्यादा ढील करनी होगी। दूध के होलसेल रेट में 'द बॉम्बे मिल्क प्रड्यूसर असोसिएशन' ने साढ़े तीन रुपये प्रति लीटर बढ़ाने का निर्णय लिया है। असोसिएशन के अध्यक्ष सीके सिंह का कहना है कि जानवर, चारा, दवाएं, मजदूरी और जानवरों के देखभाल की कीमतें बहुत ज्यादा बढ़ गई हैं। महंगाई दर 10 से 12 प्रतिशत बढ़ी है, लेकिन हमने तो महज पांच प्रतिशत दाम बढ़ाने का निर्णय लिया है। हमारी परेशानियों को लोग समझेंगे और निश्चित ही हमारा साथ देंगे। जोगेश्वरी पश्चिम राम मंदिर स्थित पारसी वाला तबेले में 'द बॉम्बे मिल्क प्रड्यूसर असोसिएशन' के पदाधिकारियों की बैठक सीके सिंह के नेतृत्व में हुई। बैठक में दूध के होलसेल रेट में प्रति लीटर तीन रुपये और ट्रांसपोर्ट खर्च 50 पैसे बढ़ाने का निर्णय लिया है। पहले प्रति लीटर होलसेल रेट 70 रुपये और ट्रांसपोर्ट खर्च एक रुपये 50 पैसे था, जिसे बढ़ाकर 73 रुपये प्रति लीटर दूध और दो रुपये ट्रांसपोर्ट खर्च करने का निर्णय लिया गया है। दूध की नई दर 1 मार्च से 31 अगस्त, 2022 तक लागू होगा। पिछली बार दूध की 1 अप्रैल, 2021 को दो रुपये कीमत बढ़ाई गई थी। तबेले के ताजे दूध की होलसेल कीमत साढ़े तीन रुपये प्रति लीटर बढ़ाने से दूध से बनाई जाने वाले अन्य खाद्य व पेय पदार्थ सहित मिठाइयां महंगी हो जाएंगी। वैसे, मुंबई महानगर में आज रिटेल में प्रति लीटर ताजा दूध 72 से 80 रुपये में मिलता है। 1 मार्च से होलसेल रेट बढ़ाने के बाद अब इसमें 5 से 7 रुपये बढ़ोतरी की संभावना से इनकार नहीं किया जा है। दूध का कारोबार करने वाले राम बचन का कहना है कि जब हमें होलसेल

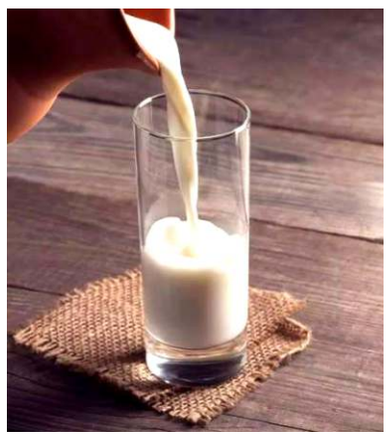

साढ़े तीन रुपए का होगा इजाफा

में ही 75 रुपये में मिलेगा, तो दो-चार-पांच रुपये हमारा भी तो मेहनताना और कमाई बनती है, इसलिए हमें भी उसी अनुपात में रेट बढ़ाना होगा।

करीब 7 लाख लीटर ताजे दूध का उत्पादन

मुंबई महानगर में तबेले के ताजे दूध की मांग उत्पादन की तुलना में बहुत ज्यादा है। सीके सिंह का कहना है कि मुंबई महानगर में प्रतिदिन करीब 7 लाख लीटर के आसपास दूध की सप्लाई की जाती है। ताले दूध के उत्पादन में हर साल तेजी से गिरावट आ रही है। उसका दूध है कि लोग इस कारोबार से लोग दूर होते जा रहे हैं। दूध देने वाले जानवर लोग नहीं पालना चाहते।

बीएमसी चुनाव के पहले शिवसेना नेता पर इनकम टैक्स की रेड

स्थायी समिति के चेयरमैन यशवंत जाधव

मुंबई:आयकर विभाग ने शुक्रवार सुबह मुंबई में शिवसेना नेता यशवंत जाधव के कुछ ठिकानों पर रेड डाली। यशवंत जाधव बीएमसी की स्थायी समिति के अध्यक्ष हैं। उनकी पत्नी एमएलए हैं। वह कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक की गिरफ्तारी के विरोध में गुरुवार को मोर्चे में शामिल हुई थीं। बीजेपी के नेता जाधव पर 15 करोड़ रुपये की हेरा-फेरी का आरोप लगा चुके हैं।इनकम टैक्स की टीम शुक्रवार सुबह मझगांव में यशवंत जाधव के घर पहुंची। सूत्रों के अनुसार, इनकम टैक्स की टीम कुछ और जगह भी गई। इनमें बीएमसी के कुछ ठेकेदारों के नाम बताए जा रहे हैं। आईटी टीम इस छापेमारी में जब्त कागजात ईडी से भी शेयर कर

सकती है।यशवंत का बीएमसी में यह चौथा कार्यकाल है। वह 2017 में शिवसेना महापौर पद के प्रमुख दावेदार थे। उन्हें 2018 में बीएमसी की स्थायी समिति का अध्यक्ष बनाया गया। उन पर छापे की खबर दिन भर बीएमसी के गलियारों में चर्चा का विषय बनी रही।

तिजोरी की चाबी

पिछले 25 सालों से शिवसेना की महानगरपालिका में सत्ता है। हाल ही में राज्य में सरकार बनाने वाली पार्टी के लिए बीएमसी संसाधन का प्रमुख स्रोत माना जाता है। ऐसे में, इस छापेमारी का असर आगामी चुनावों पर पड़ना स्वाभाविक है। पिछले चार सालों में केवल कैपिटल एक्सपेंडिचर यानी नए प्रॉजेक्ट के लिए 40000 करोड़ रुपये बीएमसी की इसी स्थायी समिति के माध्यम से मंजूर हुए हैं। इसका सदस्य बनने के लिए विभिन्न पार्टियों के नगरसेवकों के बीच जमकर स्पर्धा होती है।

मरीज हुए कम

बंद होंगे 4 जंबो कोविड सेंटर्स

मुंबई: मुंबई में कोरोना संक्रमण काबू में आता दिख रहा है। इस वजह से मरीज अस्पतालों में कम भर्ती हो रहे हैं। इसे देखते हुए बीएमसी ने अब नेस्को, मुलुंड, कांजुरमार्ग और दहिसर जंबो कोविड सेंटर्स पूर्ण रूप से बंद करने का निर्णय लिया है। आगामी माह से उक्त सेंटर्स बंद किए जाएंगे। इस बंद सेंटर्स के चिकित्सकीय उपकरण उपनगरीय और मैटर्निटी होम में आवश्यकता अनुसार शिफ्ट किए जाएंगे। बता दें कि मुंबई में रोजाना कोरोना के नए मरीजों की संख्या अब 150 से कम आ गई है। इसके साथ ही ऐक्टिव मरीजों की संख्या भी एक हजार के नीचे आ गई है। इसके चलते कोविड मरीजों के लिए रिजर्व बेड में से 98 फीसद बेड रिक्त पड़े हुए हैं।

कैबिनेट की मंजूरी: मंत्रिमंडल ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन को मंजूरी दी, जानें इसके बारे में सबकुछ

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन को मंजूरी दे दी। मिशन के तहत पांच साल के लिए 1,600 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। जानकारी के मुताबिक, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के माध्यम से टेक्नोलॉजी के उपयोग के जरिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक समान एवं सुगम पहुंच को मजबूत बनाया जा सकेगा। इसमें कहा गया है कि इसके तहत देश के लोग अपनी आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता संख्या को जेनरेट कर सकेंगे। इससे डिजिटल स्वास्थ्य रिकार्ड को जोड़ा जा सकेगा। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की पायलट परियोजना छह केंद्र शासित राज्यों लद्दाख, चंडीगढ़, दादरा एवं नगर हवेली, दमन दीव, पुदुचेरी, अंडमान निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में पूरी की जा चुकी है।

सीतारमण ने कहा: वृद्धि को मजबूत करने में आईपीआर की अहम भूमिका, हमारा ध्यान विकास पर केंद्रित है

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि भारत इस समय ऐसी स्थिति में जहां वृद्धि और विकास पर ध्यान को हर ओर से मजबूत करना जरूरी है। बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) की इसमें काफी महत्वपूर्ण भूमिका है।

सीतारमण ने कहा कि पिछले साल 28 हजार पेटेंट दिए गए थे। साल 2012-14 में इसकी संख्या केवल 4000 थी। उन्होंने कहा, पिछले साल 2.5 लाख ट्रेडमार्क का पंजीकरण भी हुआ और कॉपीराइट की संख्या 16 हजार से अधिक रही।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, 'ये छोटे आंकड़ें नहीं है। यह इस तरह के इनोवेशन और कॉपीराइट के समर्थन में अर्थव्यवस्था की मजबूती है। जब इनमें इजाफा होगा तो अर्थव्यवस्था पर भी इसका बड़ा और महत्वपूर्ण प्रभाव देखने को मिलेगा।'

उन्होंने यह बातें 'भारत में आईपीआर विवादों के न्यायनिर्णयन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी' में कहीं। इसका आयोजन दिल्ली हाईकोर्ट की ओर से करवाया गया था। इस कार्यक्रम में देश के मुख्य

न्यायाधीश एनवी रमण और अन्य न्यायाधीश शामिल हुए।

सीतारमण ने कहा कि केंद्र सरकार स्टार्टअप को प्रोत्साहन दे रही है और उनके आईपीआर की सुरक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि इसमें तेजी देना केवल प्रतिबंधों को हटाकर संभव नहीं है। इसके लिए सकारात्मक नजरिए की जरूरत है।

स्टार्टअप के साथ-साथ आर एंड डी को भी सहयोग दे रही है सरकार

इसके साथ ही उन्होंने अर्थव्यवस्था के लिए इनोवेशन के महत्व का उल्लेख भी किया। सीतारमण ने कहा कि अगर सामान्य निर्माण और सामान्य उत्पादन 10 में से तीन अंक देता है तो इनोवेटिव गतिविधियां इसे सात-आठ तक ला सकती हैं।

उन्होंने कहा, 'जैसा कि अब हम प्रतिबंधात्मक नियम हटा रहे हैं, हम यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि हम एक फ्रेमवर्क उपलब्ध कराएं जिसमें वह काम कर सकें। हम केवल स्टार्टअप ही नहीं बल्कि आर एंड डी को भी सहयोग उपलब्ध करा रहे हैं।'

आईपीआर के मुद्दों से निपटने के लिए अब देश में व्यवस्थित दृष्टिकोण

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि न्यायपालिका के समर्थन ने भारत में आने वाले अधिक इनोवेशन (नवाचार) और कॉपीराइट को प्रोत्साहित किया है और आईपीआर से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए अब देश में एक व्यवस्थित दृष्टिकोण है।

उन्होंने न्यायाधीशों से कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट में आईपीआर बेंच गठित की जा रही है। आपके सामने अधिक संख्या में मामले आएंगे। लेकिन ऐसे सहयोग से मुझे लगता है कि अदालतों के लिए इस चुनौती का सामना करना आसान होगा।

आईपीएस रश्मि शुक्ला के खिलाफ एफआईआर, परमबीर सिंह के बाद दूसरी वरिष्ठ अधिकारी पर केस

महाराष्ट्र की पुणे पुलिस ने पूर्व पुलिस आयुक्त व आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मुंबई के पूर्व पुलिस प्रमुख परमबीर सिंह के बाद वह दूसरी आईपीएस हैं, जिन पर एफआईआर की गई है। शुक्ला के खिलाफ अवैध फोन टैपिंग मामले में केस दर्ज किया गया है। पुणे के एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रश्मि शुक्ला फिलहाल केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर हैं। वह अभी सीआरपीएफ हैदराबाद की अतिरिक्त महानिदेशक हैं। वह पहले पुणे की पुलिस आयुक्त रह चुकी हैं। पुणे के पुलिस अधिकारी ने बताया कि बंद गार्डन पुलिस थाने में रश्मि शुक्ला के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। उन पर अवैध रूप से फोन टैपिंग का आरोप लगाया गया है। उन पर भारतीय टेलीग्राफ कानून की धारा 26 लगाई गई है। स्थानीय नगर पालिका परिषद अध्यक्ष भारतभूषण क्षीरसागर, उनके बेटे योगेश और छह अन्य लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास की रिपोर्ट दर्ज की गई है। शिवाजी नगर थाने के पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिला रजिस्ट्रार कार्यालय के समक्ष शुक्रवार सुबह सतीश क्षीरसागर और फारुख सिद्दीकी को बुरी तरह पीटा गया था। सतीश के पैर में गोली भी लगी थी। दोनों को औरंगाबाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जिले के पुलिस अधीक्षक राजा रामास्वामी का कहना है कि यह मामला एक जमीन सौदे से जुड़ा होने की आशंका है।

यूक्रेन-रूस: संतुलन की जरूरत

यूक्रेन और रूस की सेनाओं के बीच जंग शुरू होने के बाद इसके लंबा खिंचने का डर जताया जा रहा है। इस बीच खासतौर पर यूरोप की ओर से भारत पर रूस के प्रति कड़ा रुख अपनाने का दबाव पड़ रहा है। यूरोप में फ्रांस भारत का करीबी सहयोगी है। वह चाहता है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत रूस के प्रति कड़ा रुख अपनाए क्योंकि रूस ने कथित तौर पर संयुक्त राष्ट्र के चार्टर का उल्लंघन किया है। उसने एक संप्रभु देश पर हमला बोला है। फ्रांस ने कहा है कि यूक्रेन पर रूस के हमले से यूरोप में जो अस्थिरता की स्थिति बनी है, वह भारत के लिए ठीक नहीं होगी। इसी मामले में ईयू के विदेश मामलों के प्रतिनिधि जोसेप बोरेल ने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर को भी फोन किया और दोनों के बीच यूक्रेन में गंभीर स्थिति को लेकर चर्चा हुई। उनके बीच यह भी बातचीत हुई कि भारत किस तरह से इस टकराव को खत्म करने में भूमिका निभा सकता है। हाल ही में जयशंकर फ्रांस की यात्रा पर गए थे। वहां भी उन्होंने

एक तरह से रूस का ही पक्ष लिया था। जयशंकर ने कहा था कि रूस के आसपास के देशों में नाटो के विस्तार की चिंता जायज है। उसके बाद भी भारत ने रूस के कदमों की आलोचना नहीं की है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन के बीच गुरुवार को हुई बातचीत भी मायने रखती है।

इसमें पूतिन ने प्रधानमंत्री को ताजा स्थिति के बारे में जानकारी दी। इसमें भी प्रधानमंत्री ने पूतिन से तत्काल युद्धविराम करने और बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने की अपील की। असल में इस पूरे मामले में भारत बेहद मुश्किल स्थिति में है। एक तरफ वह अमेरिका के साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए बने क्वाड जैसे संगठन का अहम मेंबर है। यह संगठन चीन की विस्तारवादी नीतियों को रोकने के मकसद से बनाया गया है। वास्तविक नियंत्रण रेखा को लेकर चीन ने भारत के खिलाफ इधर आक्रामकता अख्तियार की है। भारत को लगता है कि चीन को रोकने में क्वाड से मदद मिलेगी। दूसरी तरफ रूस उसकी सामरिक तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण सहयोगी है। भारत को 60 फीसदी हथियारों की आपूर्ति रूस से ही होती है। इसलिए वह रूस को भी नाराज नहीं करना चाहता क्योंकि इससे भारत की रक्षा तैयारियों पर बुरा असर पड़ेगा। इसलिए यूक्रेन मामले में भारत के लिए संतुलन बनाए रखना जरूरी है। उसे अमेरिका, फ्रांस और दूसरे यूरोपीय सहयोगियों के साथ रूस की भी जरूरत है। यही भारत के लिए सबसे बड़ा इम्तहान भी है और एक अवसर भी।

अगर वह यूक्रेन में युद्ध रोकने के लिए कूटनीतिक पहल में मदद कर पाता है और वह पहल कामयाब होती है तो इससे वैश्विक समुदाय के बीच उसका कद बढ़ेगा और भारत के हित भी सुरक्षित रहेंगे।

रूस-यूक्रेनः सबसे पहले शांति

किरीट ए. चावड़ा

यूक्रेन के दो प्रांतों को स्वतंत्र देशों के रूप में मान्यता देने के अगले ही दिन रूस ने वहां अपनी सेना भेज दी और इसके साथ ही दोनों देशों के बीच बाकायदा युद्ध शुरू हो गया है। हालांकि रूस अभी इसे महज एक सैन्य कार्रवाई कह रहा है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे यूक्रेन की सीमाओं का रूस द्वारा अतिक्रमण ही माना जा रहा है। देखने की बात यह होगी कि रूस की इस कार्रवाई पर अपनी प्रतिक्रिया में अमेरिका और अन्य नाटो देश किस हद तक जाते हैं। इस बीच भारत की पहली चिंता यूक्रेन में फंसे 20 हजार से ज्यादा भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की है, जिनमें से ज्यादातर स्टूडेंट्स हैं। पूरे यूक्रेन में आपात काल लागू कर दिया गया है। जगह-जगह हो रहे मिसाइल अटैक और बमबारी के कारण हालात चिंताजनक हैं। वहां फंसे नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए भेजे गए एयर इंडिया के एक विमान को आधे रास्ते से ही वापस लौटाना पड़ा क्योंकि वहां उसकी सेफ लैंडिंग सुनिश्चित नहीं हो पा रही थी। वहां से विभिन्न स्टूडेंट्स के विडियो मैसेज भी आ रहे हैं जिनमें भारत सरकार से उन्हें वहां से निकालने की गुहार लगाई जा रही है। इस बीच विदेश मंत्रालय और कीव स्थित भारतीय दूतावास की ओर से उन स्टूडेंट्स तक पहुंचने और उन्हें आश्वस्त करने की कोशिशें

तेज हो गई हैं। न केवल हेल्पलाइन नंबर मुहैया कराए गए हैं बल्कि स्टूडेंट्स को वहां से निकालने के वैकल्पिक उपायों पर भी विचार किया जा रहा है।

जहां तक इस युद्ध के अन्य दुष्प्रभावों की बात है तो उसका सिलसिला भी दुनिया भर के बाजारों में आई जबर्दस्त गिरावट के साथ ही शुरू हो चुका है। भारत में भी सेंसेक्स और निफ्टी में करीब 3.5 फीसदी की गिरावट देखी गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर चुकी है जो पिछले सात वर्षों की रेकॉर्ड ऊंचाई है। ये ऐसे दुष्प्रभाव हैं, जो तत्काल घटित हो चुके हैं। इनका असर भी अलग-अलग रूपों में हमारे सामने आता रहेगा, लेकिन उससे बड़ा सवाल यह है कि स्थिति अभी और कितनी बिगड़ेगी और यह कि शांति स्थापित होने में कितना वक्त लगेगा। बेशक, हालात काफी उलझे हुए हैं, लेकिन कई प्रेक्षक कह रहे हैं कि अगर रूस की सुरक्षा चिंताओं को समझते हुए यूक्रेन को नाटो में शामिल न करने और मिन्स्क समझौते का पालन कराने से जुड़ी उसकी दो मूल मांगों पर समय रहते ध्यान दिया जाता तो संभवत: स्थिति इतनी न बिगड़ती। लेकिन, जब जागे, तभी सवेरा। अब भी अंतरराष्ट्रीय बिरादरी को चाहिए कि कुछ खास देशों या नेताओं को इसे अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाने की इजाजत न दे और सभी संबंधित पक्षों की जायज चिंताओं का सम्मान करते हुए जल्द से जल्द शांति स्थापित करने की कोई राह निकाले।

युक्रेन और रूस का ताजा विवाद और नाटो देशों की निष्क्रियता

गणेश पाण्डेय

युक्रेन आज अकेला है कल रात जब अमेरिका राष्ट्रपति ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा वह अपनी सेना युक्रेन नही उतारेंगे तो युक्रेन की अंतिम उम्मीद भी दब गयी।जिस अमेरिकी और पश्चिम देशो के बुते पर युक्रेन इतने जोश मे आकर युद्ध जैसे भंयकर स्थित तक पहुंचा है उसका सबसे बडा कारण 'उकसावे' मे धधक जाना आज उसके देश मे त्राहिमाम मची है उसी देश के प्रवक्ता अनुसार कम से कम 175 से उपर केवल नागरिक मारे गये है और 40 से ज्यादा गंभीर रूप से घायल है बाकि सैनिक और अन्य का वस्तुस्थिति की जानकारी आनी है। अमेरिका का पिछलग्गु बनकर एक सुदंर सा देश अपनी तबाही का रास्ता चुन लिया है अफसोस यह भी कि है कि एक तानाशाह और गुंडे रूस को पूरी दूनियाँ रोकने के बजाय केवल कड़ी निंदा और तटस्थता दिखा रही है जिससे एक उम्मीद कही से भी इस दम तोडते मानवता मे दिखती नही। UNO नाम मात्र की कमाऊ संस्था बनकर रह गयी है न कोई सुनता है न कोई गुनता है।रूस के साथ शातिर और गली के गुंडे टाइप देश चीन उत्तर कोरिया और करोडों बार थुका पाकिस्तान भी है , युद्ध की यह परंपरा हर ताकतवर देश अपने पडोसी कमजोर देश को लपक कर गटकना शुरू कर देंगे तो मानवता और विनाश को रोकेगा कौन ?नाटो के कम से कम 30 देशों की चुप्पी ने बता दिया इस मतलबपरस्ती की दूनियाँ मे कोई किसी का है नही बिना स्वार्थ पूर्ति को कोई किसी को पूछूंगा भी नही बस अमेरिकी नीति से ज्यादातर गंभीरता से सोचकर नफा नुकसान वाला रास्ता।और अंत मे यह कि समझदारी का यह तकाज़ा है कि जिस दुनिया में हम रहते हैं, उससे हम

देश आज बर्बाद हुए है और जो बर्बाद हुए है वह गहन मंथन करे कि अमेरिकी उकसावे मे उनका स्टैंड वाजिब था या समझौता करें।रूस शुरू से चाहता था यूक्रेन नाटो का हिस्सा न बनेपश्चिमी देशों ने यूक्रेन में अलगाववादियों के साथ तनाव को रोकने के लिए संघर्ष विराम और शांति कायम करने की पहल लगातार करता रहा है लेकिन इसमें उतनी सफलता नहीं मिल पाई जितनी यूक्रेन ने सोची थी आज उसने नाटो देशों के साथ अच्छे संबंध बनाए और नाटो की सदस्यता को लेकर कोशिशें भी तेज कर दी लेकिन रूस हमेशा से ये चाहता है कि यूक्रेन नाटो का हिस्सा न बने और इस बात के लिए वो अमेरिका और नाटो से गारंटी भी चाहता है लेकिन अमेरिका के इनकार करने के बाद तनाव और बढ़ गया. अमेरिका समेत कई देशों ने रूस और यूक्रेन में अलगाववादी वाले प्रांतों के खिलाफ कड़े प्रतिबंध लगाए.अमेरिका और ब्रिटेन समेत विश्व के 30 देश नाटो (NATO) के मेंबर हैं और नाटो इसमें और देशों को जोड़ना चाहता है जिसमें यूक्रेन भी शामिल है.

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन नाटो की विस्तार योजना को रोकने के लिए अमेरिका और पश्चिमी देशों पर लगातार दबाव बना रहे थे. फिलहाल यूक्रेन पर हमले के बाद अमेरिका ने रूस के खिलाफ और कई प्रतिबंध लगाए हैं और पुतिन को अपने गलत फैसले के लिए परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहने को कहा है। हालाँकि यह भी है कि यूक्रेन भी कभी पूर्व के सोवियत संघ का ही हिस्सा था. यूक्रेन की सीमा पश्चिम यूरोप और पूर्व में रूस से मिलती है. यूक्रेन की पश्चिमी देशों से नजदीकी है जो रूस को कभी रास नहीं आती है. रूस और यूक्रेन के बीच खासकर तनाव साल 2013 में बढ़ गया. यूक्रेन के तत्कालीन राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच का देश की राजधानी कीव में जमकर विरोध हुआ था और फिल साल 2014 में उन्हें देश छोड़कर जाना पड़ा था. यूक्रेन के तत्कालीन राष्ट्रपति विक्टर को उस समय रूस का भी समर्थन था लेकिन उन्हें अमेरिका और ब्रिटेन की वजह से देश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था. रूस ने क्रीमिया पर कब्जा जमाने के बाद वहां के अलगाववादियों को समर्थन देना शुरू किया. यूक्रेन की सेना और अलगाववादियों के बीच कई सालों से टकराव की स्थिति है.।

चंद्रशेखर के लिए नियम बदला राजीव ने

भूपेन्द्र पटेल

1984 का चुनाव विपक्षी दलों के लिए विनाश का तूफान लेकर आया। सारे दल और सारे नेता कांग्रेस या कहें कि राजीव गांधी की आंधी में तिनकों की तरह उड़ गए। चंद्रशेखर चुनाव हार गए। वह तीन दिनों तक अपनी झोंपड़ी में बंद रहे। उन्हें इतना धक्का लगा कि किसी से मिले तक नहीं। मैंने जितनी सभाएं चंद्रशेखर की देखी थीं, वे कहीं से यह संकेत नहीं दे रही थीं कि तूफान आने वाला है... विनाशकारी तूफान! चंद्रशेखर के लिए एक और समस्या खड़ी हो गई थी। उनके पास दिल्ली में कोई घर नहीं था। या तो उन्हें परिवार सहित बलिया लौटना पड़ता या फिर किराये के मकान में जाना पड़ता। चंद्रशेखर का संयुक्त परिवार था। उनके साथ उनके छोटे भाई कृपाशंकर रहते थे, जिनके बेटे-बेटियां थीं। चंद्रशेखर के भी दो बेटे थे, अब तक सब 3- साउथ एवेन्यू में रहते थे। तभी एक ऐसी सूचना आई जिसने राजनीति के एक सुखद पहलू से परिचय करवाया। राजीव गांधी प्रधानमंत्री बन गए थे। उनके साथ चार सौ चौदह सांसदों का समर्थन था। उन्होंने अब्दुल गफूर को अपने मंत्रिमंडल में लिया था और उन्हें शहरी विकास मंत्रालय दिया था, जिसमें सांसदों की आवास व्यवस्था भी आती थी। चंद्रशेखर अपने भावी निवास को लेकर चिंतित थे। चंद्रशेखर के एक मित्र ने गफूर साहब से पूछा कि कब तक चंद्रशेखर साउथ एवेन्यू में रह सकते हैं, तो गफूर साहब ने मुस्कुराते हुए कहा, 'हमेशा'। वह सज्जन चौंक गए। तब गफूर साहब ने कहा कि उन्हें राजीव गांधी ने आदेश दिया है, 'चंद्रशेखर जी को 3-साउथ एवेन्यू में ही रहने दिया जाए। इसके लिए उन्होंने एक नया नियम बनाया है। अभी तक यह नियम नहीं था कि कोई संसद का चुनाव हारने के बाद भी घर में रह सके। राजीव गांधी ने कहा कि चंद्रशेखर जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। इसीलिए उन्होंने मुझसे कहा कि नियम बनाइए कि किसी भी पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष तब तक मकान में रह सकता है जब तक वह पार्टी अध्यक्ष है।'वीपी सिंह अक्सर कुछ फैसले बदल दिया करते थे। मेरे पास एक जानकारी आई और मुझे लगा कि प्रधानमंत्री को बताना चाहिए। जानकारी यह थी कि एक मंत्री ने 15% कमिशन की मांग की थी और मांग प्रधानमंत्री के नाम पर हुई थी। उन दिनों भारत सरकार कोशिश करती थी कि विदेशों से सामान मंगवाया जाए। मेरे पास एक कॉर्पोरेशन के चेयरमैन आए

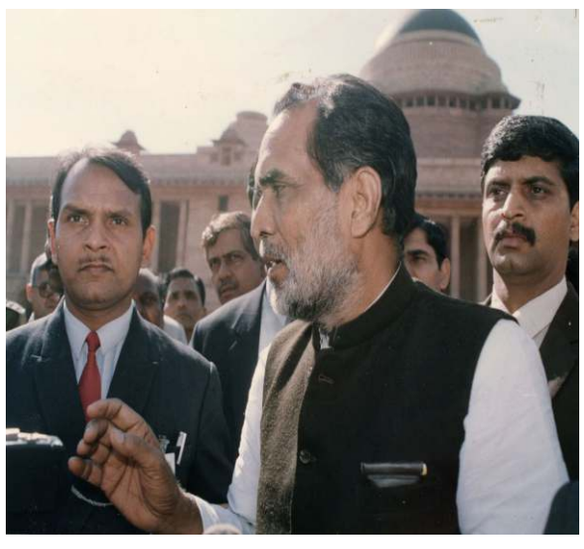

और उन्होंने मुझसे कहा, किसी भी विदेशी सौदे में 10% ईमानदारी का कमिशन होता है जो मंत्री के पास जाता है। परेशानी तब होती है जब इससे ज्यादा की मांग होती है। इस बार प्रधानमंत्री के नाम पर 5% ज्यादा मांगा जा रहा है।' मैंने प्रधानमंत्री को बताया तो उन्होंने चेयरमैन का नाम पूछा, मैंने बता दिया। उन्होंने फौरन कैबिनेट सेक्रेटरी से कहा, 'इस अफसर के खिलाफ सीबीआई जांच बैठाइए, यह अफवाह फैला रहा है।' मैं चौंक गया। बुरा भी लगा मुझे। मैंने फौरन प्रतिवाद किया, 'आप करवाइए सीबीआई जांच लेकिन इसके बाद कोई भी भ्रष्टाचार की जानकारी नहीं देगा।' कहकर मैं उठ गया। 45 मिनट बाद मेरे पास वीपी सिंह का बुलावा आया। मुझसे बोले, मैं कैबिनेट सेक्रेटरी से फौरन मिलूं। मैं कैबिनेट सेक्रेटरी के पास गया तो वह मुस्कुरा रहे थे, पूछा- क्या बात है ? मैंने सारी घटना बता दी पर, फिर उनसे कहा, आपने तो सीबीआई जांच का आदेश दे दिया होगा? वह बोले, 'नहीं दिया, मैं एक घंटे इंतजार करता हूं क्योंकि मुझे मालूम है कि वह फैसले बदल देते हैं। ठीक 40 मिनट बाद पीएम का फिर फोन आया और उन्होंने कहा, 'जैसा संतोष कहें वैसा कीजिए।'

लोकसभा में एक हस्ताक्षर अभियान चला। वह हस्ताक्षर अभियान गृहमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद के खिलाफ था। लगभग 80 सांसदों ने हस्ताक्षर कर दिए थे। यह तीन दिनों से चल रहा था। अचानक खबर फैली कि यह हस्ताक्षर अभियान संतोष भारतीय के इशारे पर हो रहा है। मैं चौंका, फौरन प्रधानमंत्री के पास पहुंचा और मंत्री पद पर अपना दावा ठोक दिया। अब वीपी सिंह चौंक पड़े, पूछा, 'क्या हो गया?' मैंने कहा, 'आपको कहा गया है कि 80 सांसदों ने मेरे कहने पर हस्ताक्षर किए, मतलब आधे से ज्यादा दल के सांसद मेरे साथ हैं तो मुझे मंत्री बनना चाहिए।' वीपी सिंह हंस दिए। कहने लगे, 'मुझे पता है किसके इशारे पर यह सब हुआ है, आप परेशान न हों।'सरकार बनी ही थी कि एक दिन वीपी सिंह ने सुबह नाश्ते पर कहा, 'किसी मुस्लिम समाज के व्यक्ति का नाम बताइए जिसे राज्यसभा में लाया जा सके।' उन्हें डर था कि जामा मस्जिद के इमाम मौलाना बुखारी किसी ऐसे नाम पर जोर डालेंगे, जिसे वह बनाना नहीं चाहते। मौलाना बुखारी ने फोन पर मौलाना किछौछवी के लिए कहा था। उन्होंने फोन करने के बाद एक खत भेजा, जिसमें तीन नाम थे पर वह चाहते एक को थे। मैंने राय दी- मीम अफजल का नाम है उसमें, उन्हें लाना चाहिए क्योंकि वह पत्रकार भी हैं और आरिफ मोहम्मद खान भी उनका समर्थन करेंगे।' वीपी सिंह ने सलाह मान ली। इसी तरह महाराष्ट्र से राज्यसभा के लिए उम्मीदवार तय करना था। नॉमिनेशन का आखिरी दिन आ गया। कमल मोरारका ने मुझे फोन किया और कहा कि उन्होंने देवीलाल से बात कर ली है पर वह बोल रहे हैं कि 'फ़ैसला वी.पी. सिंह को लेना है।' मैंने पूछा, 'मुझसे वे क्या चाहते हैं?' इस पर उन्होंने कहा कि मैं वीपी सिंह को तैयार करूं।

शिवसेना और यूपी में खून का रिश्ता: आदित्य ठाकरे

मुंबई: यूपी के विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए पहली बार उतरे महाराष्ट्र के पर्यावरण व पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे ने बीजेपी पर खुलकर निशाना साधा। गुरुवार को उत्तर प्रदेश के डुमरियागंज में अपनी पहली चुनाव प्रचार रैली को संबोधित करते हुए शिवसेना के युवराज आदित्य ठाकरे ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बदलाव होगा और कुछ ही दिनों में वर्तमान मुख्यमंत्री पूर्व मुख्यमंत्री होंगे। आदित्य ठाकरे ने कहा कि शिवसेना और यूपी में खून का रिश्ता है। शिवसेना ने महाराष्ट्र में उत्तर प्रदेश के नागरिकों का ख्याल रखा है। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके सारे वादे और सपने सिर्फ सपने बनकर रह गए हैं। वे जुमला बन गए हैं। देश-प्रदेश में बीजेपी सिर्फ लोगों को डराती है। आदित्य ने प्रयागराज के कोरांव में भी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यूपी में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार बढ़ गए हैं। युवा बेरोजगार हैं। शिवसेना नेता ने कहा कि महाराष्ट्र की पिछली फडनवीस सरकार में बीजेपी के साथ होने का उन्हें दुख है। प्रचार में शामिल कई नेता रैली में महाराष्ट्र के नगरविकास मंत्री एकनाथ शिंदे, शिवसेना नेता संजय राउत, सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ,राजन विचारे, अरविंद सावंत,राष्ट्रीय संगठक विनय शुक्ल, गुलाब दुबे, प्रवक्ता आनंद दुबे, युवा सेना सचिव राहुल लोंढे, उत्तर भारतीय विभाग प्रमुख शशि यादव, नगरसेवक विक्रम सिंह, कंचन सिंह आदि कई पदाधिकारी उपस्थित थे। आज उत्तर प्रदेश में डुमरियागंज विधानसभा के प्रत्याशी शैलेंद्र उर्फ राजू श्रीवास्तव जी के समर्थन मे जनसभा को संबोधित किया। यहा श्रीवास्तव जी को आशीर्वाद देने आया हुआ जनसैलाब देखकर बदलाव की लहरे साफ़ दिखती है। यूपी के छठें चरण के चुनावों में दागियों, धनबलियों का बोलबाला, 65 फीसदी संवेदनशील क्षेत्र" >यूपी के छठें चरण के चुनावों में दागियों, धनबलियों का बोलबाला, 65 फीसदी संवेदनशील क्षेत्र शिवसेना नफरत की राजनीति नहीं करती: संजय राउत संजय राउत ने कहा कि शिवसेना नफरत की राजनीति नहीं करती। शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने कहा कि शिवसेना हमेशा आम आदमी के साथ खड़ी रही है। सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि मुसीबत के समय में शिवसेना ने ही राष्ट्र का साथ दिया है। सभी नेता शिवसेना उम्मीदवारों के प्रचार में पहुंचे हैं। नगरविकास मंत्री एकनाथ शिंदे तो पिछले दो-तीन दिनों से कोरांव विधानसभा क्षेत्र से पार्टी की उम्मीदवार आरती कोल के समर्थन में प्रचार कर रहे हैं।

बेटी नीलोफर को यकीन- बाहर आएंगे पिता

कहा- यह न्याय की लड़ाई और हम लड़ते रहेंगे

महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक की गिरफ्तारी के बाद उनकी बेटी नीलोफर मलिक ने कहा है कि यह न्याय की लड़ाई है और इसे हम लड़ेंगे। मुझे यकीन है कि मेरे पिता बाहर आएंगे। नीलोफर ने कहा कि हर मुसलमान जो एक्टिविस्ट की तरह सार्वजनिक रूप से काम करता है, कुछ लोग उसे डी-कंपनी से जोड़ देते हैं। ये हम सलमानों के लिए गलत है। इससे पहले उन्होंने ट्वीट कर कहा था कि शेरनी के पंजे निकालने का समय आ गया है। उन्होंने अपने अगले ट्वीट में लिखा कि हम पिछले 2-3 महीनों से सुन रहे हैं कि ईडी आएगी। हमारे पिता ने हमें सावधान रहने के लिए कहा था। हमने सब कुछ ठीक किया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि मेरे पिता निडर होकर बोलते हैं इसलिए ईडी और एनसीबी हमारे पीछे हैं। गौरतलब है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कद्दावर नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक पर बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की थी। जांच एजेंसी ने बुधवार तड़के ही दाऊद इब्राहिम से जुड़े एक मनी लॉन्ड्रिंग केस में उनके घर पर छापा मारा और इसके बाद सात बजे ईडी उन्हें अपने साथ पूछताछ के लिए ले गई। तकरीबन छह घंटे तक चली पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था।

पालघर-वनगांव सेक्शन पर ट्रैफिक ब्लॉक, कुछ ट्रेनें रहेंगी प्रभावित

मुंबई : मुंबई उपनगर के बोईसर और वनगांव के बीच 220 केवी डीसी की डी-स्ट्रिंगिंग और स्ट्रिंग करने के लिए पालघर-वनगांव खंड पर संयुक्त यातायात ब्लॉक के साथ-साथ पालघर स्टेशन पर ओएचई गियर के अनुरक्षण के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ उपनगरीय और लंबी दूरी की ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। यह ब्लॉक 24 से 28 फरवरी तक एक घंटे सुबह 10.10 बजे से 11.10 बजे के लिए लिया जाएगा। सीपीआरओ सुमित ठाकुर के अनुसार 93013 चर्चगेट-दहानू रोड लोकल केलवे रोड-दहानू रोड के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। 93012 दहानू रोड-विरार लोकल दहानू रोड-केलवे रोड के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। 12934 अहमदाबाद-मुंब 25 फरवरी को इस ट्रेन का बोईसर और विरार स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव रहेगा। 12990 अजमेर-दादर सुपरफास्ट एक्सप्रेस का 24, 26 और 28 फरवरी, 2022 को बोईसर और विरार स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव रहेगा। 09159 बांद्रा टर्मिनस-वापी एक्सप्रेस का 24 से 28 फरवरी तक उमरोली स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव रहेगा। 22952 गांधीधाम-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस का 25 फरवरी को पालघर और विरार स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव रहेगा। 12489 बीकानेर-दादर एक्सप्रेस का 27 फरवरी को बोईसर और विरार स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव रहेगा।

केंद्र से समन्वय करेगी महाराष्ट्र सरकार

यूक्रेन में हैं महाराष्ट्र के 1200 छात्र ,वापसी के प्रयास

मुंबई। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने यूक्रेन में फंसे महाराष्ट्र के नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए केंद्र सरकार से समन्वय स्थापित करने के निर्देश मुख्य सचिव देबाशीष चक्रवर्ती को दिए हैं। रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला किए जाने के बाद गुरुवार को मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र से उद्योग, शिक्षा, व्यवसाय के लिए यूक्रेन में गए नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूक्रेन में युद्ध की परिस्थिति को देखते हुए वहां पर फंसे महाराष्ट्र के नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए विदेश मंत्रालय से व्यवस्थित रूप से समन्वय करें। ठाकरे ने प्रशासन को यूक्रेन में फंसे विद्यार्थियों को वापस लाने के लिए प्राथमिकता से केंद्र सरकार से बातचीत करने का आदेश दिया है। इसके पहले गुरुवार को राज्य के उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री उदय सामंत ने यूक्रेन में फंसे महाराष्ट्र के 1200 विद्यार्थियों की घर वापसी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था।

लोकल में अब सबकी एंट्री

जल्द जारी होगा नया नोटिफिकेशन

मुंबई: लोकल ट्रेनों में सभी लोगों को अनुमति देने के लिए मुंबई हाई कोर्ट में जनहित याचिकाओं पर सुनवाई हो रही है। इस दौरान, कोर्ट ने स्पष्ट तौर पर राज्य सरकार से आम जनता को लोकल में अनुमति देने के संबंध में जवाब मांगा है। राज्य सरकार ने 3 दिन में नए नोटिफिकेशन जारी करने की बात कही है। इस हलचल के बीच रेलवे ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुंबई के सभी उपनगरीय रेलवे स्टेशनों पर एटीवीएम जल्द शुरू किए जा रहे हैं। वैसे, मध्य और पश्चिम रेलवे के स्टेशनों पर सहायकों के साथ कुछ मशीनें शुरू की हैं। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यदि यात्रा में शर्तों का प्रतिबंध हटाया गया, तो निश्चित तौर पर यात्रियों की संख्या में इजाफा होगा। इसका प्रभाव टिकट खिड़कियों पर पड़ेगा। भीड़ से निपटने के लिए रेलवे वैकल्पिक टिकट व्यवस्था को भी पहले की तरह शुरू कर रही है। अब रोजाना करीब 63 लाख यात्री सफर करने लगे हैं। पश्चिम रेलवे पर 28 लाख और मध्य रेलवे पर 35 लाख लोग रोजाना सफर करते हैं। पहले थे 80 लाख यात्री कोरोना काल से पहले रोजाना 80 लाख यात्री सफर कर रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि पहले जितना आंकड़ा छूने में अभी वक्त लगेगा, लेकिन मार्च तक 70 लाख यात्री हो सकते हैं। तीसरी लहर से पहले 15 दिसंबर तक यात्रियों की संख्या 60 लाख के करीब पहुंच गई थी। इसके बाद राज्य सरकार ने प्रतिबंध लगाए और यात्रियों की संख्या में गिरावट होने लगी। बहरहाल, अब भीड़ दोबारा बढ़ने लगी है। सर्टिफिकेट की हटेंगी शर्तें रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यात्रा में प्रतिबंध हटाने का सीधा मतलब है कि अब वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं होगी। अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार के नए नोटिफिकेशन के बाद फैसला लिया जाएगा। तीसरी लहर के पहले कई स्टेशनों पर एटीवीएम सेवा उपलब्ध थी।

केवल वैध यात्री को टिकट मिलें, इसलिए इन मशीनों पर असिस्टेंट नियुक्त किए गए हैं। इस सप्ताह एटीवीएम दोबारा शुरू किया जा सकता है। डिविजन के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि मशीनों को शुरू करने से पहले दोबारा मरम्मत हो रही है। फिलहाल, केवल असिस्टेंट वाली जगहों पर ही एटीवीएम शुरू हैं।

खाना मांगने पर मासूम को प्रेस से जलाने और मुंह में लाल मिर्च भर देने वाली सौतेली मां गिरफ्तार

अलीगढ़ के कुवारसी इलाके में अपने सात साल के बेटे को कथित तौर पर प्रेस से जलाने की कोशिश करने वाली सौतेली मां को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि महिला पर यह भी आरोप है कि वह खाना मांगते समय खौलते पानी में बच्चे का हाथ डुबोकर और उसके मुंह में लाल मिर्च डालकर उसे प्रताड़ित करती थी।पुलिस के मुताबिक, 30 वर्षीय महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि यह मामला तब सामने आया, जब बच्चे के पिता जाहिद और मौसी ने कुवारसी थाने में शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित बच्चे मोहम्मद शरीफ ने संवाददाताओं को बताया कि उसकी सौतेली मां उसे खौलते पानी में हाथ डुबाने के लिए मजबूर करके उसे प्रताड़ित करती थी और जब वह खाना मांगता था तो उसके मुंह में लाल मिर्च भर देती थी। शरीफ ने बताया कि सैतेली मां ने उसे धमकी दी थी कि अगर उसने अपने पिता को इस बारे में बताया तो वह उसे एक "बूढ़े भिखारी" को सौंप देगी। पुलिस के अनुसार, बच्चे को गंभीर जख्म आने पर पिता को इस बारे में जानकारी मिली और उसने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी महिला को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया गया और बच्चे को दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

12वीं परीक्षा के टाइमटेबल में थोड़ा बदलाव

मुंबई: महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड ने 12वीं के टाइमटेबल थोड़े बदलाव किए हैं। बोर्ड द्वारा मार्च में ली जानेवाली लैंग्वेज की परीक्षा अब अप्रैल में ली जाएगी। 5 और 7 मार्च को होने वाली परीक्षा अब एक महीने बाद 5 अप्रैल और 7 अप्रैल को आयोजित की गई है। बोर्ड के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, प्रश्न पत्रिका ले जा रही ट्रैक में नाशिक-पुणे हाईवे पर आग लग गई थी। इस घटना में काफी पेपर खाक हो गए, तो कुछ सड़कों पर पड़े मिले ऐसे में पेपर लीक न हो इसलिए बोर्ड ने परीक्षा को पोस्टपोन करने का निर्णय लिया है ताकि फिर से प्रश्न पत्रिका तैयार करने का समय मिल जाए। दो पेपर के तिथि में बदलाव बोर्ड ने 5 मार्च को हिंदी, जर्मन और जापानी लैंग्वेज की परीक्षा आयोजित की थी, अब यह परीक्षा 5 अप्रैल को होगी। जबकि 7 मार्च को होनेवाली मराठी, गुजराती, उर्दू, सिंधी, पंजाबी, बंगाली व अन्य लैंग्वेज की परीक्षा अब 7 अप्रैल को आयोजित की गई है। उक्त दो पेपर के तिथि में बदलाव किया गया बाकी परीक्षा के समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है। विद्यार्थी इस बात का ध्यान रखे की बोर्ड ने अन्य किसी भी विषय के परीक्षा के टाइम टेबल में कोई बदलाव नहीं किया है। ऑफलाइन एग्जाम ने बढ़ाई विद्यार्थियों में एंजाइटी ! उधर, बोर्ड के काफी विद्यार्थी इस आस में थे कि इस बार दसवीं और बारहवीं की परीक्षा टल जाएगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। अब कुछ बच्चों में एंजाइटी (घबराहट) बढ़ रही है क्योंकि कुछ की तैयारी नहीं हुई है तो कुछ विद्यार्थियों की लिखने की आदत छूट गई है तो उन्हें अब दिक्कत हो रही है। शहर के मनोरोग चिकित्सक को के पास कुछ ऐसे ही केसेस आ रहे हैं। कुछ काउंसलिंग तो कुछ को दवाई दे कर ठीक किया जा रहा है। मार्च से 12वीं और अप्रैल से 10वीं की परीक्षा शुरू हो रही है। विद्यार्थियों के पास गिने चुने दिन बचे हैं। परीक्षा ऑफलाइन ही होनी है सरकार और सुप्रीम कोर्ट ने भी साफ कह दिया है। जनवरी तक विद्यार्थियों ने ऑनलाइन पढ़ाई की, इसके अलावा विद्यार्थियों की स्कूलों में होने वाली परीक्षा भी ऑनलाइन हुई है और अधिकतर स्कूलों ने मल्टीपल चॉइस क्वेश्चन के आधार पर परीक्षा ली है। ऐसे में विद्यार्थियों के लिखने आदत छूट गई है। बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों की भी काउंसलिंग मनोरोग चिकित्सक डॉ. अविनाश डिसूजा ने बताया कि विद्यार्थियों सोचा था कि इस बार परीक्षा नहीं होगी इसलिए कुछ ने पढ़ाई कम की तो कुछ को प्रीलिम्स परीक्षा में कम अंक मिले हैं। ऐसे में अब जब उन्हें ऑफलाइन परीक्षा सताने लगी है। मेरे पास आए विद्यार्थियों में घबराहट, नींद न आना, बुरे सपने आ रहे हैं, कुछ को रोना आ रहा है, कुछ में निराश आदि की समस्या हो रही है। वैसे तो अधिकतर विद्यार्थियों को हम काउंसलिंग कर रहे है, लेकिन जिनमें घबराहट अधिक है उन्हे कुछ दवाइयां भी दी जा रही है। हम बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों की भी काउंसलिंग करते हैं ताकि वो विद्यार्थियों पर दबाव न बनाए।

बोरीबली आरपीएफ ने सीसीटीबी की मदद से पकडा चोर

संवाददाता । मुंबई पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल (RPF) के जवान ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से बदमाशों और चोरों को पकड़ा है आरपीएफ टीम ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से चोर को बोरीवली स्टेशन पर पकड़ लिया जानकारी मुताबिक रेल सुरक्षा बल की टीम ने बोरीवली स्टेशन और उसके आसपास के विभिन्न अंधेरे स्थानों में संदिग्ध की गतिविधियों का मानचित्रण और विश्लेषण किया। फुटेज के गहन विश्लेषण से संदिग्ध की गतिविधियों का अनुमान लगाया जा सका जिसके कारण अंततः उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। बोरीवली के आरपीएफ पोस्ट को बोरीवली स्टेशन पर अलग-अलग तारीखों में हुई पांच चोरी की घटनाओं की जानकारी थी, जिसमें 1,55,738 रुपये से अधिक मूल्य के दो लैपटॉप और तीन मोबाइल फोन की चोरी हुई थी। इस संबंध में आरपीएफ बोरीवली ने सीपीडीएस टीम के साथ उक्त चोरी के मामलों की सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से जांच की और सभी मामलों में एक ही संदिग्ध की पहचान की। सीसीटीवी फुटेज का और अधिक विश्लेषण करने पर यह पाया गया कि चोरी करने के बाद संदिग्ध हर बार लोकल ट्रेन में चढ़कर नालासोपारा में उतरता था। इसलिए बोरीवली-नालासोपारा खंड में लगातार निगरानी की जा रही थी। रेलवे अधिकारी की जानकारी अनुसार 20 फरवरी, 2022 को संदिग्ध व्यक्ति को बोरीवली स्टेशन से एक लोकल ट्रेन में चढ़ते हुए देखा गया। तुरंत सीपीडीएस की टीम भी उसी ट्रेन में चढ़ गई और संदिग्ध व्यक्ति को तब पकड़ लिया गया जब उसने नायगांव स्टेशन पर उतरने की कोशिश की चोर को पोस्ट पर लाया गया जहां उसने मुंब्रा, ठाणे के निवासी रिजवान हनीफ शेख (39 वर्ष) के रूप में अपनी पहचान बताई और चोरी करने का अपराध स्वीकार किया आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी/बोरीवली को सौंप दिया गया। उसे चोरी के सभी पांच मामलों में शामिल पाया गया था। पिछले रिकॉर्ड की जांच करने पर पता चला कि उसके खिलाफ जीआरपी और शहर के विभिन्न थानों में आईपीसी की धारा 379 के तहत चोरी के पांच और मामले भी दर्ज थे। अत: उसके खिलाफ चोरी के कुल 10 मामले दर्ज हो चुके हैं।ऑपरेशन यात्री सुरक्षा में आरपीएफ का लगातार प्रयासपश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल का रेल सुरक्षा बल यात्रियों के सामान चोरी/डकैती के अपराधियों को पकड़ने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। लगातार नियोजित कार्य के कारण आरपीएफ द्वारा ऐसे मामलों की रोकथाम और उनका पता लगाने में पर्याप्त सुधार हुआ है। वर्ष 2020 की तुलना में 2021 में दर्ज किए गए यात्रियों के सामान चोरी के मामलों की कुल संख्या में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट आई है। साथ ही दर्ज किए गए कुल मामलों में से लूट के मामलों में आरपीएफ द्वारा पता लगाने के आँकड़ों में वर्ष 2020 में लगभग 26 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2021 में 36 प्रतिशत हो गये। इसी तरह, यात्री सामान चोरी के मामलों में रेल सुरक्षा बल द्वारा पता लगाने के मामले भी वर्ष 2020 में 3.5 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2021 में 5.6 प्रतिशत हो गये और वर्ष 2022 में (जनवरी तक) 13 प्रतिशत हो गये हैं। बेहतर परिणाम के लिए अपराधों की रोकथाम और पता लगाने का अभियान और तेज किया जा रहा है।

हाईकोर्ट ने आरबीआई से कहा बदलो पुराने नोट

मुंबई। बांबे हाईकोर्ट ने रिजर्व बैंक आफ इंडिया (आरबीआई) को निर्देश दिया है कि वह नोटबंदी के चलते चलन से बाहर हुए एक लाख 60 हजार रुपए के पुराने नोट बदलने बदले। न्यायमूर्ति गौतम पटेल व न्यायमूर्ति माधव जामदार की खंडपीठ ने किशोर सोहनी नाम के व्यक्ति की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के बाद यह निर्देश दिया। दरअसल धोखाधड़ी के एक पुराने मामले में कल्याण के मजिस्ट्रेट कोर्ट ने स्थानीय पुलिस स्टेशन में जमा एक लाख 60 हजार रुपए सोहनी को लौटाने का निर्देश दिया था। साल 2017 में मजिस्ट्रेट कोर्ट के निर्देश के तहत सोहनी को पैसे तो दिए गए लेकिन यह पैसे पुराने नोट में दिए गए।

मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद सार्वजनिक होगी एसटी से जुड़ी रिपोर्ट

मुंबई। राज्य सरकार ने बांबे हाईकोर्ट को सूचित किया है कि महाराष्ट्र राज्य परिवहन महामंडल (एसटी महामंडल) के कर्मचारियों की मांग को लेकर तैयार की गई रिपोर्ट को मंत्रिमंडल की मंजूरी की जरुरत पड़ेगी। लिहाजा मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद रिपोर्ट पेश की जाएगी। शुक्रवार को राज्य सरकार की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता एस.नायडू ने हाईकोर्ट को यह जानकारी दी है। एसटी महामंडल के कर्मचारियों की मांग है कि उन्हें राज्य सरकार के कर्मचारियों के समान समझा जाए। इस मांग को लेकर कुछ कर्मचारी अभी भी हड़ताल पर हैं और कुछ काम पर वापस लौट आए है। कर्मचारियों की हड़ताल पर रोक लगाने के लिए महामंडल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

आप आलोचना का सामना कैसे करते हैं

आपके जीवन में किसी समय आपकी आलोचना की जाएगी, शायद पेशेवर तरीके से। कभी-कभी इसे स्वीकार करना मुश्किल होगा- लेकिन यह सब आपकी प्रतिक्रिया पर निर्भर करता है।

आप या तो आलोचना का उपयोग सकारात्मक तरीके से सुधार करने के लिए कर सकते हैं, या नकारात्मक तरीके से जो आपके आत्म-सम्मान को कम कर सकता है और तनाव, क्रोध या आक्रामकता का कारण बन सकता है।

आलोचना दो प्रकार की होती है - रचनात्मक और विनाशकारी - दोनों के बीच के अंतर को पहचानना सीखना आपको प्राप्त होने वाली किसी भी आलोचना से निपटने में मदद कर सकता है।

जब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा चुनौती दी जाती है, तो नकारात्मक तरीके से प्रतिक्रिया करना आम बात है। विचार करें कि नकारात्मक प्रतिक्रियाएं आपको कैसी दिखती हैं - और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वे आपको कैसा महसूस कराते हैं। जिस तरह से आप आलोचना को संभालने के लिए चुनते हैं, उसका आपके जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रभाव पड़ता है, इसलिए उन तरीकों की पहचान करना बेहतर है जिनसे आप आलोचना से लाभान्वित हो सकते हैं और एक मजबूत और अधिक सक्षम व्यक्ति बनने के लिए इसका उपयोग अपने लाभ के लिए कर सकते हैं।

रचनात्मक आलोचना और विनाशकारी आलोचना के बीच का अंतर यह है कि जिस तरह से टिप्पणियां दी जाती हैं।

विनाशकारी आलोचना अक्सर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा केवल विचारहीनता होती है, लेकिन यह जानबूझकर दुर्भावनापूर्ण और आहत करने वाली भी हो सकती है। विनाशकारी आलोचना, कुछ मामलों में, क्रोध और/या आक्रामकता का कारण बन सकती है।

रचनात्मक आलोचना आपकी गलतियों को इंगित करने के लिए डिज़ाइन की गई है, लेकिन आपको यह भी बताती है कि सुधार कहाँ और कैसे किए जा सकते हैं। रचनात्मक आलोचना को उपयोगी फीडबैक के रूप में देखा जाना चाहिए जो आपको नीचा दिखाने के बजाय खुद को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

आलोचना का सामना कैसे करें?

- शांत रहने की कोशिश करें और दूसरे व्यक्ति के साथ सम्मान और समझ के साथ पेश आएं।
- अगर आपको लगता है कि आप आत्म-नियंत्रण खो सकते हैं, या कुछ ऐसा कह सकते हैं या कर सकते हैं जो संभावित रूप से हानिकारक हो, तो चले जाओ।
- हम सभी कभी न कभी गलती करते हैं, यह मानव स्वभाव है। जैसे-जैसे हम जीवन से गुजरते हैं, हमारे पास खुद को सीखने और सुधारने का भरपूर अवसर होता है। इसलिए, कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप पर किस तरह की आलोचना का लक्ष्य रखा गया है, इसका विश्लेषण करके कुछ ऐसा खोजें जिससे आप इससे सीख सकें।
- याद रखें, जो लोग हर चीज की आलोचना करते हैं या आहत होने के लिए तीखी टिप्पणी करते हैं, उन्हें मदद की जरूरत होती है - आपको नहीं!

हम सभी गलतियाँ करके सीखते हैं, और आलोचना से सकारात्मक तरीके से निपटना सीखना एक तरीका है जिससे हम दूसरों के साथ अपने पारस्परिक संबंधों को बेहतर बना सकते हैं।

सेहत की बात: फटे होंठ से लेकर कमजोर हड्डियों तक, विटामिन्स की कमी के शरीर में हो सकते हैं ऐसे संकेत

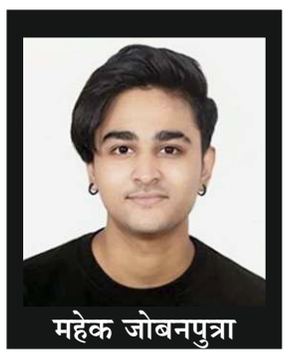

शरीर के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए सभी लोगों को रोजाना पौष्टिक आहार के सेवन की सलाह दी जाती है। इन आहार की मदद से शरीर को दैनिक रूप से आवश्यक पोषक तत्वों की प्राप्ति हो जाती है। विटामिन्स, प्रोटीन, खनिज जैसे पोषक तत्व शरीर के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य करते हैं, ऐसे में इनकी कमी के कारण आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। पर यह कैसे पता किया जाए कि शरीर में पोषक तत्वों की कमी है? स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक शरीर में न्यूट्रिएंट्स की कमी के कारण कई तरह के लक्षण नजर आ सकते हैं, इसमें कई लक्षण तो ऐसे भी होते हैं जिन्हें हम देखते तो हैं लेकिन आमतौर पर नजरअंदाज कर देते हैं।

अध्ययनों से पता चलता है कि फटे होंठों से लेकर कमजोर हड्डियों तक, शरीर हमें विटामिन्स की कमी के कारण कई तरह की दिक्कतें हो सकती हैं। विटामिन-डी की कमी के कारण दांतों और हड्डियों में कमजोरी वहीं विटामिन बी और विटामिन सी के कारण फटे होंठ और मसूड़ों से खून आने जैसी दिक्कतें महसूस हो सकती हैं। ऐसे ही एड़ियों के फटने को शरीर में नमी की कमी का कारण माना जाता है, पर यह विटामिन की कमी का भी संकेत हो सकते हैं। आइए आगे की स्लाइडों

में जानते हैं कि किन विटामिन्स की कमी के कारण किस प्रकार के लक्षणों का अनुभव हो सकता है, जिसपर समय रहते ध्यान देने की आवश्यकता है। विटामिन-सी की कमी कोरोना के इस दौर में विटामिन-सी काफी चर्चा में रहा, आमतौर पर इसे इम्युनिटी से जोड़कर देखा जाता है, पर क्या आप इसकी कमी से संबंधित लक्षणों के बारे में जानते हैं? बेहतर इम्युनिटी के साथ मसूड़े और त्वचा के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए भी विटामिन-सी की आवश्यकता होती है। इस विटामिन की कमी के कारण स्कर्वी नामक बीमारी हो सकती है जिसके चलते मसूड़ों से खून आना और बालों के रोम के आसपास रक्तस्राव जैसी दिक्कत हो सकती है। बालों का झड़ना, थकान और एनीमिया की भी समस्या इस विटामिन की कमी का संकेत माना जाता है। विटामिन बी-3 की कमी के संकेतत्वचा और दिमाग के स्वास्थ्य के लिए विटामिन बी3 बेहद जरूरी है। विटामिन बी-3 को नियासिन के रूप में भी जाना जाता है। शरीर में इस विटामिन की कमी होने के चलते आपको याददाश्त में कमी, बार-बार दस्त होने, जीभ के लाल बने रहने जैसी दिक्कत हो सकती है। इसकी कमी के कारण प्रकाश के संपर्क में आने वाले हिस्सों की चमड़ी का लाल होना भी इस विटामिन की कमी की ओर संकेत माना जाता है।

विटामिन-ई की कमी को पहचानें

विटामिन-ई प्रतिरक्षा प्रणाली, कोशिकाओं और रक्त परिसंचरण को सुचारू बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। त्वचा की सुंदरता के लिए भी इस विटामिन को काफी आवश्यक माना जाता है। शरीर में विटामिन-ई की कमी के कारण मांसपेशियों में कमजोरी, संवेदना कम महसूस होने और त्वचा में शुष्की और झुर्रियों की दिक्कत भी हो सकती है। त्वचा संबंधी ज्यादातर समस्याओं का इसे मुख्य कारण माना जाता है।

अदरक से लेकर नीलगिरी तक, आर्थराइटिस के दर्द से राहत के लिए इन घरेलू नुस्खों का करें प्रयोग

जीवनशैली में गड़बड़ी और लोगों में समय के साथ कम होती शारीरिक सक्रियता के कारण आर्थराइटिस (गठिया) की समस्या बढ़ती जा रही है। गठिया की समस्या के कारण जोड़ों में दर्द और सूजन आ जाती है जिसके कारण चलना या उठना भी मुश्किलों भरा काम बन जाता है। वजन बढ़ने या शारीरिक गतिविधियों में कमी के कारण गठिया की समस्या पैदा हो सकती है। आमतौर पर इलाज के माध्यम से इस रोग के लक्षणों को नियंत्रित करने और दर्द से आराम दिलाने की कोशिश की जाती है। एक समय तक गठिया को उम्र बढ़ने के साथ होने वाली दिक्कत माना जाता रहा था हालांकि अब कम उम्र के लोगों में भी इस तरह की समस्याओं का निदान किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक गठिया के लक्षणों को कम करने के लिए वैसे तो कई प्रकार की दवाइयों को प्रयोग में लाया जाता है। हालांकि कुछ घरेलू उपचार विधियों को भी प्रयोग में लाकर इस समस्या से राहत पाया जा सकता है। कई सारी घरेलू औषधियों के ऐसे औषधीय गुणों के बारे में पता चलता है जो गठिया के दर्द और सूजन को कम करने में आपकी मदद

कर सकते हैं। आइए ऐसे ही कुछ आसान लेकिन अत्यंत प्रभावी घरेलू नुस्खों के बारे में जानते हैं।

नीलगिरी के औषधीय गुण बनाते हैं इसे खास

गठिया से संबंधित लक्षणों को कम करने में नीलगिरी को कारगर औषधि माना जाता है। आसानी से उपलब्ध नीलगिरी का वर्षों से कई प्रकार की स्वास्थ्य स्थितियों को ठीक करने के लिए प्रयोग किया जाता रहा है। नीलगिरी के पत्तों के अर्क गठिया के दर्द को कम करने में आपके लिए मददगार हो सकता है। नीलगिरी की पत्तियों में टैनिन होता है, जो गठिया से संबंधित सूजन और दर्द को कम करने में मदद कर सकता है। नीलगिरी के तेल को भी जोड़ों पर लगाने से दर्द से राहत मिलती है।

अदरक है गठिया का प्रभावी घरेलू उपचार

क्या आप जानते हैं कि अदरक भी गठिया की समस्या में आपके लिए काफी मददगार हो सकता है? अदरक का इस्तेमाल ज्यादातर खाना पकाने में किया जाता है, हालांकि अध्ययनों में इसके औषधीय फायदों के बारे में भी पता चलता है। अदरक में एंटी-इफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं जो गठिया के सूजन और दर्द से राहत दिलाने में सहायक हो सकता है। कुछ शोधकर्ताओं का कहना है कि अदरक नॉनस्टेरॉइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग्स (NSAIDs) का विकल्प भी हो सकता है।

हल्दी से कम होता है सूजन-दर्द

हल्दी को वर्षों से दर्द से राहत दिलाने वाली औषधि के रूप में प्रयोग में लाया जाता रहा है। हल्दी के मुख्य घटक, करक्यूमिन में एंटी-इफ्लामेटरी गुण होते हैं। लंबे समय से पारंपरिक आयुर्वेदिक और चीनी चिकित्सा में दर्द को कम करने के लिए हल्दी को प्रयोग में लाया जाता रहा है। भोजन के माध्यम से हल्दी का सेवन सुनिश्चित करें। इसके अलावा प्याज के साथ हल्दी को पीसकर दर्द वाले स्थान पर रखने से भी सूजन और दर्द को कम करने में मदद मिलती है।

कोविड-19 से ठीक होने के बाद भी महसूस होती है कमजोरी-सुस्ती, आहार में इन चीजों को शामिल करने से मिलेगा लाभ

कोरोना संक्रमण से ठीक होने के बाद कुछ समय तक थकान और कमजोरी जैसी समस्याओं का बना रहना सामान्य माना जाता है। डॉक्टर्स बताते हैं, संक्रमण से मुकाबले के दौरान शरीर में माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की कमी हो जाती है, जिसके कारण आपकी रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद भी कमजोरी जैसी समस्या बनी रह सकती है। इसके अलावा लॉन्ग कोविड की समस्या के कारण भी कुछ लोगों में ठीक होने के बाद कुछ दिनों से लेकर महीनों तक थकान-कमजोरी बनी रह सकती है। अगर आप भी हाल ही में संक्रमण के शिकार रह चुके हैं और फिलहाल कमजोरी महसूस करते हैं तो इससे बचाव के लिए आपको आहार में विशेष बदलाव की आवश्यकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, कोविड-19 के बाद लोगों में लंबे समय तक इस तरह की दिक्कतें बनी रह सकती हैं। ऐसी समस्याएं संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती लोगों के अलावा हल्के लक्षण वाले लोगों में भी देखी जा रही है। पोस्ट कोविड की इन परेशानियों से बचे रहने के लिए अपने आहार, पोषण और दिनचर्या में उचित बदलाव करने की आवश्यकता है। आइए आगे की स्लाइडों में जानते हैं थकान-कमजोरी से निपटने के लिए किन चीजों का सेवन करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है?

प्रोटीन की बढ़ाएं मात्रा

कोरोना के बाद थकान और कमजोरी महसूस होने का मुख्य कारण शरीर में पोषक तत्वों की कमी होना माना जाता है। इसके लिए रिकवरी के बाद पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन का सेवन अवश्य सुनिश्चित करें। बीमारी के दौरान मांसपेशियों होने वाले नुकसान की भरपाई में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शरीर को दोबारा शक्ति प्रदान करने के लिए भोजन में प्रोटीन वाली चीजों को शामिल करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। डेयरी उत्पाद, सोयाबीन, अंडे को प्रोटीन का अच्छा स्रोत माना जाता है।

विटामिन सी वाले आहार

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक कोरोना से रिकवरी के बाद कमजोरी और थकान को कम करने के लिए आहार में विटामिन-सी वाली चीजों को जरूर शामिल करें। पालक, पपीता, कीवी, टमाटर, आम और स्ट्रॉबेरी जैसे फलों को इस विटामिन का सबसे बेहतर स्रोत माना जाता है। शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने के साथ कोविड फटीग को दूर करने में इन चीजों का सेवन करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

सुनिश्चित करें जिंक की पर्याप्त मात्रा

जिंक एक और महत्वपूर्ण पोषक तत्व है जो प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने में मदद करता है। इसके लिए राजमा, लोबिया, चना, बादाम, कद्दू के बीज, चिकन, दूध और पनीर आदि का सेवन करना आपके लिए फायदेमंद माना जाता है। जिंक न सिर्फ शरीर को दोबारा शक्ति प्रदान करता है, साथ ही संक्रमण के कारण हुई माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की कमी की पूर्ति करने में भी इसके लाभ माने जाते हैं। आहार में जिंक की पर्याप्त मात्रा सुनिश्चित करें।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : आपके लिए समय उत्तम है। पिछले दिनों की परेशानियों को भुलाकर नए सिरे से काम में जुट जाएं, सफलता अवश्य मिलेगी। निजी संबंधों का उपयोग स्वयं की उन्नति के लिए करें। नए कार्यों को प्रारंभ करने का समय है। आर्थिक स्थितियों में इस सप्ताह सुधार होगा। पारिवारिक जीवन उत्तम रहेगा। सभी का सहयोग और पूर्ण प्रेम प्राप्त रहेगा।

वृषभ : संकटपूर्ण परिस्थितियों से बाहर आ जाएंगे। धन की आवक बढ़ेगी। अटके कार्यों को सदप्रयासों से आगे बढ़ाने का प्रयास करें। आजीविका के साधनों पर ध्यान केंद्रित करें। नौकरीपेशा लोगों को उन्नति मिलेगी। व्यापारियों को विस्तार का अवसर मिलेगा। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा। मित्रों से भेंट होगी। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव थमेगा।

मिथुन : पारिवारिक समागम-मेलजोल वाला सप्ताह रहेगा। अपने कार्यों को करने के प्रति सजग रहें। पुराने मामलों का निपटारा होगा। मानसिक शांति प्राप्त होगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। नौकरीपेशा को भागदौड़ रहेगी लेकिन यह आपको उन्नति की ओर ले जाएगा। व्यापारियों को लाभ होगा। अविवाहितों के विवाह की बात बन सकती है।

कर्क : जीवन में स्थायित्व प्राप्त होगा। भागदौड़ थमेगी और मानसिक रूप से शांति अनुभव करेंगे। परिवार के मांगलिक प्रसंगों में शामिल होने का अवसर आएगा। धार्मिक-आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। संबंधों का लाभ उठाने का प्रयास करें। अविवाहितों को विवाह प्रस्ताव मिलेगा। पारिवारिक कार्यों से यात्राएं होंगी। स्वास्थ्य थोड़ा बिगड़ सकता है।

सिंह : सरकारी सेवा क्षेत्रों से लाभ, राजपक्ष मजबूत रहेगा। आजीविका के साधनों में वृद्धि होगी। लंबे समय से चल रहा अस्थिरता का दौर समाप्त होगा। नए क्षेत्रों में पदार्पण करेंगे। पारिवारिक दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। अवसरों का लाभ लेने का प्रयास करें। किसी करीबी मित्र या रिश्तेदार की सहायता से नए कार्य-व्यवसाय की रूपरेखा बनेगी।

कन्या : यह सप्ताह मानसिक रूप से शांति वाला रहेगा। हड़बड़ाहट थमेगी और शांति से जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय ले पाएंगे। पारिवारिक और निजी संबंधों में चल रहा मनमुटाव दूर होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। किसी विशेष कार्य के पूरा होने की स्थिति है। नौकरीपेशा को उन्नति का अवसर मिलेगा, बस कार्यों को मन लगाकर करें।

तुला : इस सप्ताह पुराना अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। निवेश से लाभ होगा। भूमि, संपत्ति खरीदने का अवसर आएगा। पारिवारिक मांगलिक कार्यों में शामिल होंगे। नया कार्य प्रारंभ कर सकते हैं। नौकरीपेशा के पद और जिम्मेदारियों में बदलाव आएगा। सही अवसरों को पहचानकर उनका अधिकतम लाभ लेने का प्रयास करें।

वृश्चिक : मानसिक और शारीरिक रूप से इस सप्ताह थकान का अनुभव कर सकते हैं। किसी मित्र, रिश्तेदार या करीबी की सहायता से आर्थिक समस्या का तात्कालिक निदान होगा। कार्यों को मन लगाकर करें। नौकरी में बदलाव का समय है। व्यापारियों को कार्यों में शिथिलता का अनुभव होगा। स्वास्थ्य गड़बड़ा सकता है। नए प्रेम संबंध प्राप्त हो सकते हैं।

धनु : संबंधों को निभाने के लिए तत्पर रहें चाहे वह व्यावसायिक हों या निजी। धन का आगमन तो होगा लेकिन उसी अनुपात में खर्च होने का अनुमान भी है। मानसिक थकान का अनुभव करेंगे। निर्णय लेने में हड़बड़ी न करें। नए कार्य प्रारंभ न करें। नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है। पारिवारिक जीवन तनावपूर्ण हो सकता है।

मकर : सप्ताह का प्रारंभ शुभ समाचार से होगा। मानसिक शांति का अनुभव करेंगे। शारीरिक रोग दूर होंगे और आप एक अतुलनीय ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उन्नति के अवसर आएंगे। निजी संबंधों में गर्माहट बनी रहेगी। प्रेम संबंध प्राप्त होंगे। दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी।

कुंभ : स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी आ सकती है। मन को स्थिर और शांत करने के लिए ध्यान योग का सहारा लें। नौकरीपेशा लोगों को व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। व्यापारियों को हानि की आशंका है। शासकीय कार्यों में बाधा आ सकती है। अवसरों का उचित लाभ नहीं मिल पाएगा। नए लोगों से भेंट होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने के लिए कठिन प्रयास करने होंगे।

मीन : कठिन प्रयासों और कड़ी मेहनत का मीठा फल मिलने वाला है। निजी संबंधों को निभाने में सफल होंगे। नए प्रेम संबंध प्राप्त होंगे। मित्रों से मेल-मुलाकात बढ़ेगी। आर्थिक लाभ होगा। निवेश से लाभ होगा। भूमि, संपत्ति खरीदने के योग हैं। शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पुराने रोग परेशान कर सकते हैं। मन लगाकर कार्य करेंगे तो उचित लाभ प्राप्त होगा।

100वें जन्मदिन पर बुजुर्ग ने की दोबारा से शादी, घोड़ी पर गए दुल्हनिया लेने!

जन्मदिन यादगार होना चाहिए। और हां, जब बात हो जिंदगी के 100वें जन्मदिन की, तो भैया वो सिर्फ यादगार ही नहीं... बल्कि बेमिसाल होना चाहिए? जी हां, पश्चिम बंगाल के एक बुजुर्ग व्यक्ति ने अपना 100वां इस अंदाज में सेलिब्रेट किया कि मामला सुर्खियों में छा गया। रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को मुर्शिदाबाद जिले के विश्वनाथ सरकार ने अपनी 90 वर्षीय पत्नी सुरोधवानी से दोबारा शादी की। यही उनका जिंदगी की सैंचुरी को सेलिब्रेट करने का अंदाज था। यादगार बन गया 100वां जन्मदिन... बुजुर्ग युगल की बहू गीता सरकार ने से कहा कि दोबारा शादी (पुनर्विवाह) कराने का विचार तब आया जब कुछ महीने पहले मैंने सोशल मीडिया पर कुछ ऐसा ही देखा था। इसके बाद, मैंने यह आइडिया परिवार के अन्य सदस्यों के साथ शेयर किया। फिर सभी ने इस प्लान को लागू करने में मेरा साथ दिया। साल 1953 में हुई थी कपल की शादी इस कपल की शादी साल 1953 में हुई थी। उनके बच्चे, पोते-पोतियां और परपोते दूसरे राज्यों में रहते हैं। हालांकि, शादी के लिए सभी गांव आए थे। बुजुर्ग कपल के पोतों में से एक पिंटो मोंडोल ने कहा, 'दुल्हन दूल्हे के परिवार में आती है। इसलिए, हमने उसी को ध्यान में रखकर योजना बनाई। भले ही हमारे दादा-दादी जियागंज के बेनियापुकुर गांव में रहते हैं। वैसे हमारा पुश्तैनी घर बामुनिया गांव में है, जो लगभग 5 किलोमीटर दूर है। मेरी दादी को दो दिन पहले वहां ले जाया गया था।' जब एक-दूसरे को पहनाई वरमाला...90 वर्षीय दुल्हन को तैयार करने में पोतियों ने मदद की। जबकि पोते ने 100 साल के दूल्हे को तैयार किया। विश्वनाथ, बुधवार को घोड़ी पर सवार होकर अपनी दुल्हनिया लेने बमुनिया गए। दूल्हे के पहुंचते ही आतिशबाजी की गई। इस मौके पर दूल्हा-दुल्हन ने एक-दूसरों को फूलों का हार पहनाया। विश्वनाथ ने कहा कि मेरे बच्चों ने एक दावत भी रखी थी, जिसमें परिवार के पड़ोसियों को भी बुलाया गया था।

स्टॉक्स में बदलाव:जोमैटो, पेटीएम और नायका निफ्टी नेक्स्ट 50 में होंगी शामिल

31 मार्च से लागू होगा नियम

नई एज की कंपनियों के शेयर्स की जमकर पिटाई हुई है

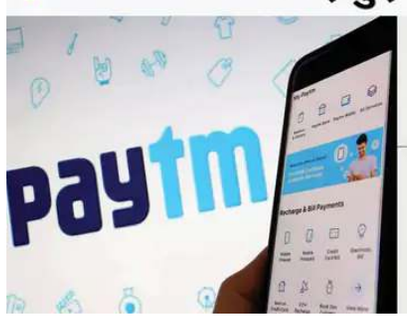

नायका जोमैटो और पेटीएम के शेयर्स 30 से 50% टूटे हैं

नायका और जोमैटो का मार्केट कैप 30-40 हजार करोड़ रुपए घटा

पिछले साल शेयर बाजार में लिस्ट हुई जोमैटो, पेटीएम और नायका जैसी कंपनियां निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स में शामिल होंगी। यह नियम 31 मार्च 2022 से लागू होगा।

NSE ने की घोषणा

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) ने इस बारे में घोषणा की है। दरअसल नेक्स्ट 50 का मतलब NSE की टॉप 50 कंपनियों के बाद जो कंपनियां होती हैं। निफ्टी का इंडेक्स 50 स्टॉक पर आधारित है। बाजार में लिस्टेड कंपनियों की एक अंतराल पर समीक्षा की जाती है। इसके बाद कुछ कंपनियों को बाहर किया जाता है तो कुछ को अंदर किया जाता है।

कमिटी ने लिया फैसला

NSE के सर्कुलर के मुताबिक, इसकी कमिटी ने निफ्टी इक्विटी इंडाइसेस की एलिजिबिलिटी क्राइटीरिया में बदलाव करने का फैसला किया है। नए नियम के अनुसार, पहले लिस्ट होने के 3 महीने बाद कंपनियों को शामिल किया जाता था। अब यह एक महीने कर दिया गया है।

अक्टूबर 2021 के बाद लिस्ट हुई हैं कंपनियां

नायका, पेटीएम, पॉलिसीबाजार और लेटेंट व्यू नेक्स्ट अक्टूबर 2021 के बाद लिस्ट हुई हैं। कुल 6 स्टॉक्स नायका, इंडियन ऑयल, माइंडट्री, SRF और जोमैटो नेक्स्ट 50 में शामिल होंगे। इनके बदले अपोलो हॉस्पिटल, अरबिंदो फार्मा, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, इंद्रप्रस्थ गैस, जिंदल स्टील और यस बैंक इससे बाहर होंगे।

अपोलो हॉस्पिटल भी शामिल होगा

अपोलो हॉस्पिटल इंडियन ऑयल को निफ्टी 50 इंडेक्स में रिप्लेस करेगा। निफ्टी बैंक में बैंक ऑफ बड़ौदा RBL बैंक को रिप्लेस करेगा। इंडेक्स में यह बदलाव कंपनियों के मार्केट कैप, उनके वेटेज और अन्य एलिजिबिलिटी को देखकर तय किया जाता है।

एक साल के निचले स्तर पर शेयर का भाव

नायका, जोमैटो और पेटीएम जैसे नए एज वाले शेयर्स इस समय एक साल के निचले स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। पेटीएम जहां ऊपरी स्तर से 60% टूटा है, वहीं जोमैटो और नायका भी 30-40% तक टूट चुके हैं। इनका मार्केट कैप 50 से 65 हजार करोड़ रुपए के बीच है। पेटीएम का शेयर 1,961 से 780 पर आ गया है जबकि जोमैटो का स्टॉक 169 से 78 रुपए पर आ गया है। नायका का शेयर 2,400 रुपए से टूटकर 1,312 रुपए पर आ गया है।

सट्टेबाजी ग्रुप पर IT के छापे:ऑनलाइन गेमिंग ग्रुप ने हवाला चैनलों के जरिए 600 करोड़ रुपए उड़ाए, 29 जगह पर तलाशी हुई

ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी ग्रुप पर अपनी हालिया इन्वेस्टिगेशन में आयकर डिपार्टमेंट (IT) ने 600 करोड़ रुपए के कैश ट्रांजैक्शन का खुलासा किया है। IT डिपार्टमेंट की मुंबई इन्वेस्टिगेशन विंग ने इस महीने की शुरुआत में गेम किंग प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े 29 जगह पर कर चोरी के संदेह में तलाशी ली है। जो मुंबई, दिल्ली, सूरत और जयपुर शहर में हुई।

एजेंटों और एरिया मैनेजर के नेटवर्क ग्रुप ने कई लोगों से कैश जमा कराए

सर्च ऑपरेशन से पता चला है कि ये ग्रुप गुपचुप तरीके से काम रहा था और इन्होंने लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों से अपने काम और इनकम को भी छुपाया।

इन्वेस्टिगेशन से पता चला कि कई शहरों में काम करने वाले एजेंटों और एरिया मैनेजर के वाइड नेटवर्क वाले ग्रुप ने एक बड़े ग्राहक समूह से कैश जमा किए। ये वे ग्राहक हैं जो निजी ऑपरेटरों से क्लाउड सर्वर पर होस्ट की गई वेबसाइट्स का इस्तेमाल करते हैं।

कैश लेकर अकाउंट में पॉइंट जमा करते थे

इसके बाद इस कैश को हवाला नेटवर्क के जरिए अपने ग्रुप के मुंबई मुख्यालय में भेज दिया जाता था। साथ ही ग्राहकों से कैश लेने के बाद उनके अकाउंट में पॉइंट जमा किया करते थे। इस कैश को हवाला चैनलों के जरिए मुंबई भेज दिया जाता था। इसके बाद इस बेहिसाब कैश को बही में अनसिक्योर्ड लोन, सिक्योरिटी प्रीमियम और कई अन्य नामों से पेश किया गया।

IT ने आगे कहा कि कैश को कई एंट्री ऑपरेटर से मिलने वाली डमी कंपनियों की कई लेयर के जरिए कैश दिया जाता है। डिपार्टमेंट ने 550 करोड़ रुपए से ज्यादा के शेयर को कुर्क किया है और 30 बैंक अकाउंट को भी जब्त किया गया है।

गुजरात में 'आप' की पॉलिटिक्स

अस्तित्व बचाने को आप बना रही रणनीति, 5 राज्यों के चुनाव खत्म होते ही केजरीवाल, सिसोदिया सूरत में डालेंगे डेरा

सूरत महानगर पालिका के चुनाव के एक साल पूरे हो गए। एक साल पहले आम आदमी पार्टी ने मनपा की 27 सीटें जीतकर पहली ही बार में अपनी धमाकेदार उपस्थिति दर्ज कराई थी। सूरत ने ही आप के लिए गुजरात विधानसभा चुनाव की उम्मीद जगाई थी। हालांकि वर्ष 2022 के शुरू होते ही आप को सूरत सहित प्रदेशभर में कई झटके लगे।

पहले महेश सवाणी पार्टी छोड़कर चले गए। उसके बाद छह पार्षद भाजपा में चले गए। मनपा में भी कई मुद्दों को आप भुना नहीं पाई। अब भी कई पार्षदों के भाजपा में जाने की चर्चाएं चल रही हैं। ऐसे में आप अपने अस्तित्व बनाए रखने के लिए जद्दोजहद कर रही है। आप का कहना है कि वह पूरी ताकत के साथ विधानसभा चुनाव में उतरेगी।

गुजरात के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए हम अपनी रणनीति बना रहे हैं। 10 मार्च को पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव खत्म हो जाएंगे। उसके बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया जैसे टॉप के नेता सूरत में डेरा डालेंगे और चुनाव प्रचार में लग जाएंगे। -धर्मेश भंडेरी, नेता प्रतिपक्ष महेश सवाणी के इस्तीफे से लगा था बड़ा झटका, उसके बाद 6 पार्षदों ने भी साथ छोडा

पिछले महीने उद्योगपति महेश सवाणी ने अचानक से आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। इससे पार्टी को बड़ा झटका लगा था। उनका पार्टी के किसी नेता के साथ किसी बात को लेकर कोई मनमुटाव नहीं था। कोई खींचतान भी नहीं चल रही थी। महेश सवाणी को राज्य के आगामी विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री के रूप में प्रोजेक्ट करने की भी चर्चा चल रही थी, लेकिन उन्होंने पार्टी छोड़ दी। आप के कार्यकर्ताओं ने उन्हें मनाने के लिए काफी प्रयास किया, लेकिन वह वापस नहीं आए।

डैमेज कंट्रोल कर रहे, चुनावी मैदान में उतरने के लिए आम आदमी पार्टी के नेता तैयार

आप के पार्षद धर्मेश भंडेरी का कहना है कि अभी यूपी, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा सहित पांच राज्यों में चुनाव चल रहे हैं। आप नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित बड़े नेता व्यस्त हैं। 10 मार्च को चुनाव खत्म हो जाएंगे। उसके बाद अरविंद केजरीवाल से लेकर मनीष सिसोदिया तक सभी बड़े नेता सूरत आ जाएंगे। गुजरात चुनाव से पहले पार्टी डैमेज कंट्रोल कर लेगी और पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगी। विस चुनाव के लिए सीटों के मुताबिक प्रभारियों की नियुक्ति शुरू कर दी है।

गुजरात हुआ कर्फ्यू मुक्त, दो साल से कोरोना बंदिशों का सामना कर रहे थे लोग

अहमदाबाद, गुजरात हुआ कर्फ्यू मुक्त कोरोना महामारी के चलते करीब दो साल से कर्फ्यू एवं महामारी एक्ट की बंदिशों का सामना कर रहे गुजरात वासियों के लिए गुरुवार कि शाम एक खुशखबरी लेकर आई। राज्य सरकार ने अहमदाबाद कोर वडोदरा शहर से भी रात्रि कर्फ्यू हटा लिया है इससे पहले आठ महानगरों समेत करीब तीन दर्जन शहरों में एवं कस्बों में रात्रि कर्फ्यू लागू था। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में हुई कोर कमेटी की बैठक में राज्य में कोरोना संक्रमण के हालात पर चर्चा की गई तथा महामारी के संकट से उबरने के बाद अब पहली बार सरकार ने राज्य को कर्फ्यू मुक्त करने की घोषणा कर सरकार ने कुछ मामलों में अभी नियंत्रण रखा है। राजनीतिक सेक्शन एक सांस्कृतिक धार्मिक खेल सहित विभिन्न विवाह समारोह में खुले स्थानों पर कुल क्षमता के 75 फ़ीसदी लोग ही भाग ले सकेंगे जबकि बंद हॉल में 50 फीसदी क्षमता के साथ ही कार्यक्रम किए जा सकेंगे। सार्वजनिक स्थलों पर मास्क लगाने को फ़िलहाल अनिवार्य रखा गया है। इससे पहले चर्चा थी कि सरकार गुजरात में मास्क की अनिवार्यता को भी खत्म कर देगी।

गुजरात में कांग्रेस के एक और नेता ने दिया इस्तीफा

अहमदाबाद, गुजरात में महानगर पालिका में नेता विपक्ष रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिनेश शर्मा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कांग्रेस व आलाकमान के अनिर्णय की स्थिति में होने के आरोप लगाते हुए कहा कि गुजरात कांग्रेस नेता अपनी ही पार्टी को ब्लैकमेल करते हैं। राजयसभा चुनाव में मतदान से पहले विधायक पार्टी आलाकमान से अपनी मर्जी के फैसले कराते हैं। शर्मा रविवार को भाजपा में शामिल होंगे। अहमदाबाद महानगर पालिका में तीन बार कांग्रेस के पार्षद रहे दिनेश शर्मा का लंबे समय से अहमदाबाद महानगर के विधायकों के साथ खींचतान चल रही है। उनका नेता विपक्ष का कार्यकाल समाप्त होने से पहले ही विधायकों के दबाव में कांग्रेस ने उन्हें पद से हटा दिया था। शर्मा ने पार्टी आलाकमान से मिलकर कई बार जमीनी हकीकत से वाकिफ कराने का प्रयास किया, लेकिन वे असफल रहे तथा एक दिन पहले ही उन्होंने कांग्रेस में अनिर्णय की स्थिति होने की बात कहते हुए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष जगदीश ठाकोर ने भी उन्हें पार्टी से बर्खास्त कर दिया। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस नेता पार्टी को अपनी मां बताते हैं, लेकिन राज्यसभा चुनाव के दौरान अपनी बातें मनवाने के लिए पार्टी को ब्लैकमेल करते हैं।

शेयर बाजार के साथ अब खाद्य तेलों पर भी दिखने लगा रूस-यूक्रेन युद्ध का असर, स्टाक सीमा लागू

अहमदाबाद, शेयर बाजार के साथ गुजरात में खाद्य तेलों पर भी रूस-यूक्रेन युद्ध का असर नजर आता है गुजरात सरकार ने खाद्य तेलों पर स्टाक सीमा लागू कर दी है। गुजरात में खाद्य तेल को लेकर एक बड़ी लाबी सक्रिय है यूक्रेन संकट का लाभ उठाकर वह खाद्य तेल के दाम को प्रभावित नहीं कर सके इसके लिए गुजरात सरकार ने त्वरित कदम उठाते हुए खुदरा व्यापारियों के लिए 30 क्विंटल थोक व्यापारियों के लिए 500 क्विंटल तेल संग्रहित करने की स्टॉक सीमा लागू कर दी है। बड़े थोक व्यापारियों के लिए तेल संग्रह की सीमा 1000 क्विंटल तथा कोयल नील मालिकों के लिए 90 दिनों की संग्रहण क्षमता निर्धारित की गई है इससे खाद्य तेल के भाव पर नियंत्रण रहेगा तथा कालाबाजारी पर रोक लगाई जा सकेगी। गौरतलब है कि दिसंबर 2021 में राज्य में मूंगफली तेल के दाम 2220 से 2275 प्रति 15 किलोग्राम हो गए थे। हाल में इनका दाम 2370 से 2425 रुपए के मध्य में है सरकार राज्य में खाद्य तेल के संग्रह वितरण एवं भाव को नियंत्रित रखना चाहती है ताकि रशिया यूक्रेन युद्ध की आड़ में तेल कारोबारी संग्रह खोरी कालाबाजारी नहीं कर सके। यूक्रेन दुनिया में सूर्यमुखी के तेल का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य माना जाता है भारत भी वहीं से सूर्यमुखी का तेल आयात करता है। गुजरात में पिछले कई माह से खाद्य तेलों के दामों में लगातार इजाफा हो रहा है इनमें मूंगफली सोयाबीन सरसों का पास पामोलिन तथा सूर्यमुखी तेल प्रमुख गुजरात में इन खाद्य तेलों का उपयोग बड़े पैमाने पर होता है सरकार ने खाद्य तेलों के दाम नियंत्रित रखने के लिए यह कदम उठाया है।

फरीदाबाद: सोसायटी की 17वीं मंजिल से कूदकर 10वीं के छात्र ने दी जान, सुसाइड नोट में स्कूल पर लगाए गंभीर आरोप

दिल्ली से फरीदाबाद से शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है जहां एक नामी स्कूल के 10वीं के छात्र ने अपनी सोसायटी की 17वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। उसने मरने से पहले एक सुसाइड नोट भी लिखा है जिसमें उसने अपने स्कूल के उच्च अधिकारियों पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्र ने अपने स्कूल पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया। वहीं परिजन स्कूल पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

मृतक छात्र की पहचान आरवेय मल्होत्रा के रूप में हुई है। सुसाइड नोट में छात्र ने लिखा है कि स्कूल ने मुझे मार दिया है। इसी का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने स्कूल की प्रिंसिपल और मैनेजमेंट के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है।

गुरुवार रात की आत्महत्या

बच्चे की मां भी उसी स्कूल में टीचर है जहां छात्र पढ़ता था। मां ने आरोप लगाया है कि गुरुवार रात 9.00 बजे उनका बेटा घर में अकेला था उसी समय उसने सोसायटी की 17वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी।

वह स्कूल में चल रही प्रताड़ना से डिप्रेशन में था और बीते एक साल से दिल्ली में उसकी प्रोफेशनल काउंसलिंग चल रही थी।

बीपीटीपी थाने में दर्ज कराई शिकायत में मां ने आरोप लगाया है कि उनके बेटे ने उन्हें एक साल पहले बताया था कि दूसरे बच्चे उसे होमोसेक्शुअल बुलाते हैं। बच्चे ने अपनी मां के नाम एक भावुक सुसाइड नोट भी लिखा है जिसमें उसने अपनी मां से माफी मांगी है और दुनिया के सवालों से निडर रहने के लिए कहा है। उसने लिखा है कि आप इस ग्रह की सबसे अच्छी मां हैं।

इस स्कूल ने मुझे मार दिया खासतौर से हायर अथॉरिटी ने। इसमें उसने स्कूल की हेड मिस्ट्रेस का नाम लिखा है।

बंगाल: सात मार्च को रात के बजाय दोपहर दो बजे से होगा विधानसभा सत्र, राज्यपाल ने कैबिनेट के निर्णय को बताया था असामान्य

बंगाल विधानसभा का सत्र 7 मार्च को दोपहर 2 बजे से बुलाया गया है। इससे पहले कैबिनेट की सिफारिश पर राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने सात मार्च 2022 को रात दो बजे बंगाल विधानसभा का सत्र बुलाया था। राज्यपाल ने इस संबंध में ट्वीट भी किया था कि संविधान के अनुच्छेद 174(1) को लागू करते हुए कैबिनेट के निर्णय को स्वीकार किया गया है। इसके मद्देनजर विधानसभा सत्र को 7 मार्च, 2022 को देर रात दो बजे बुलाया गया है। उन्होंने आगे लिखा था कि आधी रात के बाद दो बजे विधानसभा का सत्र असामान्य है और यह अपने आप में ऐतिहासिक है, लेकिन यह कैबिनेट का फैसला है।

नई दिल्ली: सुवेंदु अधिकारी को सुप्रीम कोर्ट ने दिया झटका, मुकुल रॉय के खिलाफ याचिका पर सुनवाई से इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। याचिका में पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक मुकुल रॉय को दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य घोषित नहीं किया गया था। जस्टिस एल नागेश्वर राव और बीआर गवई की पीठ ने इस याचिका पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, वकील की दलीलों को सुनने के बाद, हमारा विचार है कि याचिकाकर्ता स्पीकर के आदेश पर उच्च न्यायालय का रुख कर सकते हैं।

शीर्ष अदालत ने इस दलील पर भी गौर किया कि पश्चिम बंगाल की लोक लेखा समिति (पीएसी) के अध्यक्ष के रूप में मुकुल रॉय का कार्यकाल केवल एक वर्ष के लिए है। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता उच्च न्यायालय से कहा कि पीएसी में मुकुल रॉय के कार्यकाल वाले मामले का एक महीने के भीतर फैसला करें।अधिकारी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन ने पीठ से कहा कि विधानसभा अध्यक्ष विमान बनर्जी का फैसला पूरी तरह से मनमाना है। दरअसल, पश्चिम बंगाल के अध्यक्ष विमान बनर्जी ने गत 11 फरवरी को विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी की अपील खारिज कर दी थी।

दरअसल, मुकुल रॉय पर पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी बदलने का आरोप है। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रहे मुकुल रॉय ने चुनाव नतीजों के बाद जून महीने में पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल हो गए थे। रॉय भाजपा से पहले भी टीएमसी में थे। मुकुल रॉय पर दलबदल विरोधी कानून के तहत कार्रवाई करते हुए विधायक के रूप में अयोग्य घोषित करने की मांग की गई थी। विधानसभा अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल विधानसभा के रिटर्निंग ऑफिसर के सचिव ने भी कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत में याचिका दायर की थी। उच्च न्यायालय ने विधानसभा अध्यक्ष को पिछले साल 7 अक्टूबर तक उस याचिका पर फैसला करने का निर्देश दिया था, जिसमें राय को भाजपा से तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने के लिए अयोग्य ठहराने की मांग की गई थी। उच्च न्यायालय का यह आदेश भाजपा विधायक अंबिका रॉय द्वारा पश्चिम बंगाल विधानसभा की लोक लेखा समिति (पीएसी) के अध्यक्ष के रूप में टीएमसी विधायक मुकुल रॉय की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर आया था।

SPORTS खेल जगत

लगातार 5 हार के बाद जीती भारतीय महिला टीम·स्मृति, हरमनप्रीत और मिताली की शानदार पारियों के दम पर न्यूजीलैंड को 6 विकेट से दी मात

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी वनडे मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की है। 5 वनडे मैचों की सीरीज के आखिरी मैच में भारत ने न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हराया। भारतको यह जीत लगातार 5 मैचों में हार के बाद मिली है। न्यूजीलैंड दौरे की शुरुआत एकमात्र टी-20 मैच से हुई थी, जिसमें भारत को हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद खेले गए 4 वनडे मैचों में भी टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

5वें मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 9 विकेट के नुकसान पर 251 रन बनाए। कीवी टीम की कप्तान एस डेविन ने 41 गेंदों का सामना कर 34 रन और अमेलिया केर ने 75 गेंदों का सामना कर 66 रनों की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 6 चौके भी जड़े।

वहीं, भारत की ओर से राजेश्वरी गायवाड ने 10 ओवर में 61 रन

देकर 2 विकेट, दीप्ति शर्मा ने 10 ओवर में 42 रन देकर 2 और स्नेह राणा ने 9 ओवर में 40 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए।

पूनम यादव और झूलम गोस्वामी के खाते में 1-1 विकेट आए।

4 विकेट के नुकसान पर भारत ने हासिल कर लिया लक्ष्य

टारगेट का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 4 विकेट खोकर ही लक्ष्य प्राप्त कर लिया। भारतीय टीम को पहला झटका जल्दी ही लग गया। ओपनर शेफाली वर्मा केवल 9 रन बनाकर आउट हो गईं। इस पूरे दौरे पर उनका बल्ला कुछ खास कमाल नहीं कर पाया। वर्ल्ड कप से पहले शेफाली का फॉर्म में नहीं होना भारत के लिए चिंता की बात है। टीम इंडिया ने मैच में बैटिंग ऑर्डर में तब्दीली की और तीसरे नंबर पर दीप्ति शर्मा को भेजा। स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन जोड़े। दीप्ति ने एक चौके की मदद से 41 गेंद में 21 रन बनाकर आउट हुईं।

स्मृति ने 20वीं हाफ सेंचुरी बनाई

टीम इंडिया की सलामी

गोवा के खिलाफ खाता खोले बिना आउट हुए अजिंक्य रहाणे

चेतेश्वर पुजारा का खराब फॉर्म जारी

टीम इंडिया से बाहर चल रहे दिग्गज बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा की खराब फॉर्म जारी है। रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र के लिए खेल रहे चेतेश्वर पुजारा ने गुरुवार को ओडिशा के खिलाफ महज 8 रन बनाए। पुजारा सिर्फ 6 गेंदों का ही सामना कर सके। पुजारा ने दो चौके लगाकर सकरात्मक शुरुआत की थी लेकिन एक खराब शॉट ने उनका खेल खत्म कर दिया।

रियान पाराग लगातार तीसरी फिफ्टी

उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेले जा रहे रणजी मैच में रियान पराग ने असम की ओर से खेलते हुए 91 रन बनाए। पराग की रणजी ट्रॉफी में यह लगातार तीसरी फिफ्टी है। इससे पहले उन्होंने पिछले मैच की दोनों पारियों में फिफ्टी बनाए थे। महाराष्ट्र के खिलाफ पहली पारी में 88 और दूसरी पारी में 56 रन बनाए थे।

सरफराज खान की फिफ्टी

गोआ के खिलाफ खेले जा रहे रणजी मैच में मुंबई की पारी को संभालते हुए 102 बॉलों में 50 रन बना लिए हैं। उन्होंने अपनी पारी में 7 चौके जड़े हैं। एक समय मुंबई के 30 रन पर ही 3 विकेट गिर चुके थे। अब महाराष्ट्र 6 विकेट के नुकसान 120 रन बना लिए हैं।

अंजिक्य रहाणे भी बिना खाते खोले पवेलियन लौटे

भारतीय टेस्ट टीम से बाहर किए गए अजिंक्य रहाणे रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप डी में गोवा के खिलाफ बिना खाता खोले ही आउट हो गए। मैच में मुंबई के कप्तान पृथ्वी शॉ ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था, लेकिन टीम की शुरुआत कुछ खास नहीं रही।

खुद कप्तान का बल्ला भी मैच में खास कमाल नहीं कर पाया। उन्होंने 13 गेंद का सामना किया और 9 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं, रहाणे ने 3 गेंद का सामना किया और बिना रन बनाए आउट हुए। दोनों खिलाड़ी इस समय टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हैं। इन दोनों खिलाड़ियों से बड़ी पारी की उम्मीद थी। हालांकि, पिछले मुकाबले में रहाणे ने शतक जड़ा था। BCCI अध्यक्ष सौरव गांगुली और रोहित शर्मा ने रोहित और पुजारा को रणजी में अच्छा प्रदर्शन करने को कहा है।

भारत के सामने होगी श्रीलंका की टीम, लखनऊ में सजेगा मंच

भारत और श्रीलंका के बीच अब से कुछ देर में तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का पहला मुकाबला लखनऊ के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय टीम के हौसले बुलंद हैं, क्योंकि मेजबान टीम ने वेस्टइंडीज को 3-0 से हराया है, जबकि श्रीलंका की टीम कमजोर नजर आ रही है, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रीलंका को करारी हार मिली थी। वहीं, टीम के कुछ खिलाड़ी चोट के कारण और कुछ कोरोना की वजह से उपलब्ध नहीं हैं। भारत के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले दीपक हुड्डा को टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भी डेब्यू करने के मौका मिला है। वे श्रीलंका के खिलाफ लखनऊ टी20 मैच में उतरेंगे। वे भारत के लिए टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले 97वें खिलाड़ी बने हैं।

दबाव में नहीं लिया था फैसला, वर्कलोड को मैनेज नहीं कर पा रहा था

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2021 के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की कप्तानी छोड़ने वाले विराट कोहली ने कहा है कि उन्होंने खुद के लिए समय निकालने और वर्कलोड को मैनेज करने के कारण यह फैसला किया था। कोहली ने आईपीएल के साथ-साथ टी-20 फॉर्मेट से टीम इंडिया की कप्तानी छोड़ने की घोषणा भी कर दी थी। विराट ने कहा था, टी-20 वर्ल्ड कप भारत के कप्तान के रूप में मेरा आखिरी टूर्नामेंट होगा। हालांकि BCCI चाहता था कि विराट भारतीय

टीम की कप्तानी करते रहे, लेकिन कोहली के टी-20 फॉर्मेट से कप्तानी छोड़ने के बाद बोर्ड ने उनसे वनडे की कैप्टेंसी भी ले ली थी। बोर्ड ने अपने बयान में कहा था, White Ball क्रिकेट के दो कप्तान नहीं हो सकते।

मैं उनमें नहीं हूं, जो चीजों को पकड़े रखते हैं

विराट ने RCB की कप्तानी छोड़ने के बारे में 'द RCB पॉडकॉस्ट' पर कहा है- मैं उन लोगों में शामिल नहीं हूं, जो चीजों को पकड़े रखना चाहते हैं। यहां तक कि यदि मुझे पता है कि मैं बहुत कुछ कर सकता हूं, लेकिन अगर मैं उस चीज को करने में खुश नहीं हूं, तो फिर मैं वह काम नहीं करूंगा।

लोगों के लिए समझना मुश्किल

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान ने आगे कहा- लोग जब तक आपको समझ नहीं पाए वो आपके फैसले को भी बड़ी मुश्किल से समझते हैं।

देश परदेश

यूक्रेन ने भारतीय दूतावास ने जारी की तीसरी एडवाइजरी, इंडियंस से स्थिति का दृढ़ता से सामने करने की अपील

रूस की ओर से हमले के बाद यूक्रेन में हजारों भारतीय फंस गए हैं। गुरुवार को यूक्रेन की ओर से एयरस्पेस बंद किए जाने के बाद भारतीय विमान भी वापस लौट आया है। इस बीच यूक्रेन के कीव में भारतीय दूतावास ने वहां रह रहे भारतीय नागरिकों से शांति से रहने और दृढ़ता के साथ स्थिति का सामने करने की अपील की है। इसके साथ-साथ दूतावास ने वहां रह रहे भारतीयों के लिए तीसरी एडवाइजरी भी जारी कर दी है। कीव में भारतीय राजदूत पार्थ सतपति ने लोगों से शांत रहने और दृढ़ता के साथ मौजूदा स्थिति का सामने कारने की अपील करते हुए कहा है कि उनकी चिंताओं का समाधान खोजने के प्रयास किए जा रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर से यूक्रेन के खिलाफ एक सैन्य अभियान का आदेश दिए जाने के कुछ घंटों बाद कीव में भारतीय दूतावास के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर पोस्ट किए गए एक मैसेज में, सतपति ने स्वीकार किया कि स्थिति अत्यधिक तनावपूर्ण और अनिश्चित है जो कि कई तरह की चिंताएं पैदा कर रही है।

दूतावास ने इसके तुरंत बाद भारतीय नागरिकों के लिए अपनी तीसरी एडवाइजरी पोस्ट की, जिसमें कहा गया कि मार्शल लॉ ने आवाजाही को मुश्किल बना दिया है।

अमेरिका पर तंज कस चीन ने किया रूस को मदद का ऐलान आर्थिक पाबंदियों से मिलेगी राहत

यूक्रेन पर हमले के बाद से पश्चिमी देशों ने रूस को सबक सिखाने के लिए उस पर कई कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका, नाटो और यूरोपियन यूनियन के देशों ने रूस के खिलाफ कड़े आर्थिक प्रतिबंधों का ऐलान किया है। इस बीच चीन का एक फैसला रूस की इस आर्थिक संकट में बड़ी मदद कर सकता है। एक तरफ चीन ने रूस की ओर से यूक्रेन पर किए गए हमले को आक्रमम कहने से इनकार कर दिया है तो वहीं दूसरी तरफ गेहूं के आयात को भी मंजूरी दे दी है। चीन को गेहूं एक्सपोर्ट करने से रूस को बड़ी आर्थिक मदद मिलने की उम्मीद है। इससे वह यूरोप और अमेरिका के प्रतिबंधों की काट कर सकेगा।

इसके अलावा बीजिंग ने बीते कुछ सालों में गैस और तेल की खरीद के मामले में रूस पर निर्भरता बढ़ा दी है। इससे भी उसे फायदा हो रहा है। 2014 में क्रीमिया पर अटैक के बाद से ही रूस तमाम तरह के पश्चिमी प्रतिबंधों का सामना करता रहा है, जिसके बाद से ही उसकी चीन को भेजे जाने वाले सामान पर निर्भरता बढ़ गई है। भारत के अलावा चीन ऐसा बड़ा देश है, जिसने अब तक रूस के यूक्रेन को लेकर फैसले की निंदा नहीं की है। यही नहीं इससे एक कदम और आगे बढ़ते हुए इस तनाव के लिए चीन ने नाटो देशों को ही जिम्मेदार ठहराया है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने कहा, 'हमें अब भी

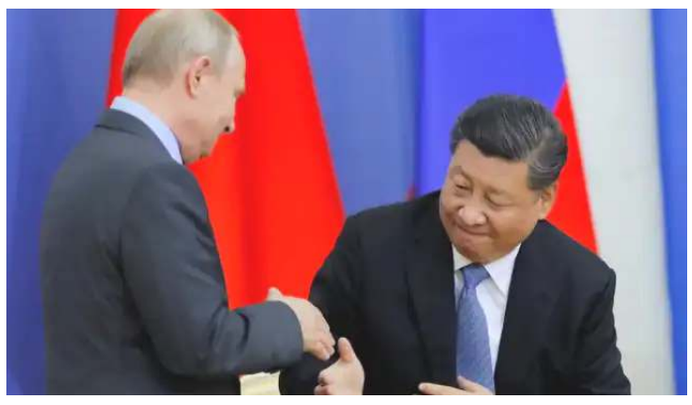

उम्मीद है कि इस मसले से जुटे सभी पक्ष अब भी शांति का रास्ता बंद नहीं करेंगे। संवाद जारी रखेंगे ताकि युद्ध के हालातों को टाला जा सके।' इसके अलावा यूक्रेन में रह रहे अपने नागरिकों को भी चीन ने वापस नहीं बुलाया है। उसने अपने नागरिकों से कहा कि वे अपने घरों के अंदर ही रहें और जरूरत पड़ने पर यात्रा करनी हो तो गाड़ी पर चीन का झंडा जरूर लगाएं।

चीन ने साफ तौर पर अमेरिका पर इस तनाव के लिए ठीकरा फोड़ा है। चीन ने कहा कि अमेरिका की वैश्विक मामलों में दखलंदाजी और नाटो के विस्तार के चलते ऐसे हालात पैदा हुए हैं।

चीन प्रवक्ता ने कहा, 'तनाव को बढ़ाने की बजाय सभी पक्षों को युद्ध की आशंका को टालने के लिए काम करना चाहिए। शांति वार्ता के प्रयास जारी रखने चाहिए। जो लोग आज दूसरों की निंदा करने में जुटे हैं, उन्हें यह भी समझना चाहिए कि उन्होंने क्या किया है।' हाल ही में विंटर ओलंपिक के दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चीन की यात्रा की थी। बीते कुछ सालों में दोनों देशों के बीच कारोबार से लेकर अन्य मामलों में रिश्ते तेजी से बढ़े हैं। यही वजह है कि इस संकट के दौर में चीन को रूस का सबसे अहम सहयोगी माना जा रहा है।

महायुद्ध में रूस को मिल गया चीन और ईरान का साथ

रूसी सैनिकों ने गुरुवार को यूक्रेन पर व्यापक स्तर पर हमला किया। इस हमले में दोनों तरफ से जानमाल के नुकसान की खबरें सामने आ रही है। एक तरफ जहां। यूक्रेन का कहना है कि हमने अब तक 50 रूसी सैनिकों को मार गिराया है और उनके 6 विमान नष्ट कर दिए हैं, तो वहीं दूसरी ओरहमले में अब तक यूक्रेन के 40 जवानों और 10 नागरिकों की मौत हो गई है।

रूस के इस हमले को लेकर कई देश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा और कड़ी आलोचना कर रहे हैं। हालांकि इस महायुद्ध में रूस को चीन और ईरान का साथ मिला है। ऐसे में चलिए आपको बताते हैं कि

दुनिया भर के नेताओं ने क्या कहा....बता दें कि चीन ने पूर्वी यूरोपीय देश यूक्रेन में रूस के हमलों को "आक्रमण" कहने से इनकार कर दिया। यही नहीं उसने इसके बजाय संकट को और खराब करने के लिए अमेरिका और उसके सहयोगियों की जमकर आलोचना की। रूस के निकट सहयोगी चीन ने यूक्रेन मुद्दे से जुड़े सभी पक्षों से संयम बरतने तथा और तनाव बढ़ाने वाला कोई भी कदम उठाने से परहेज करने की अपील की।चीन ने इस सवाल को दरकिनार कर दिया कि क्या गुरुवार तड़के यूक्रेन पर रूसी सेना का हमला एक आक्रमण था। इसके जवाब में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने कहा कि इस मामले की जड़ें ऐतिहासिक एवं वर्तमान परिदृश्य में समाई हुई हैं।

शिन्हुआ के अनुसार झांग ने कहा, ''चीन यूक्रेन में उभरती स्थिति पर ध्यान दिये हुए है। सभी देशों की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा पर चीन का रूख निरंतर एक-सा रहा है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों एवं सिद्धांतों को संयुक्त रूप से अक्षुण्ण रखा जाना चाहिए।''

इसी कड़ी में ईरान ने भी यूक्रेन मसले पर अपनी बात रखी है। ईरान के विदेश मंत्री आमिर अब्दुल्लाहियन यूक्रेन मसले को लेकर अमेरिका पर भड़क गए हैं। उन्होंने कहा है कि यूक्रेन संकट की जड़ें नाटो के उकसावे में है। हालांकि उन्होंने कहा है कि हम नहीं मानते कि युद्ध का सहारा लेना कोई समाधान है। उन्होंने कहा है कि यूक्रेन मसले को लेकर युद्धविराम स्थापित करना और एक राजनीतिक और लोकतांत्रिक समाधान खोजना अनिवार्य है।भारत उन देशों में मिल है जो जिसने अभी तक रूस-यूक्रेन में चल रहे संघर्ष की आलोचना नहीं की है। हालांकि, भारत ने मौजूदा घटनाक्रम पर अपनी ''गहरी चिंता'' व्यक्त की और कहा कि इसे अगर सावधानी से नहीं संभाला गया, तो यह क्षेत्र की शांति तथा सुरक्षा को कमजोर कर सकता है।

यूक्रेन संकट के बीच पेट्रोल-डीजल पर टैक्स घटाएगी मोदी सरकार

पड़ोसी देश यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद पूरी दुनिया पर महंगाई का संकट मंडराने लगा है। रूस द्वारा यूक्रेन में सैन्य अभियान शुरू करने के बाद वैश्विक कच्चे तेल में 100 डॉलर का उछाल आया है। लगभग आठ साल बाद कच्चे तेल के दाम 100 डॉलर के पार गए हैं। ऐसे में तमाम देश अपनी-अपनी रणनीतियां बनाने में जुट गए हैं।सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट के अनुसार, माना जाता है कि भारत के प्रधानमंत्री कार्यालय ने मौजूदा उत्पाद शुल्क स्तरों का आकलन करने के लिए वित्त मंत्रालय को अवगत करा दिया है। वित्त मंत्रालय इस बात का आकलन कर रहा है कि वह बढ़ते उत्पाद शुल्क को किस हद तक झेल सकता है। कयास लगाए जा रहे हैं कि कच्चे तेल के बढ़ते दामों के बीच भारत सरकार पेट्रोल-डीजल पर टैक्स घटाने पर विचार कर सकती है।एक सरकारी सूत्र ने समाचार एजेंसी रायटर्स को बताया कि रूस-यूक्रेन संकट के आर्थिक प्रभाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के प्रभाव को कम करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुरुवार शाम को वित्त मंत्री और अन्य प्रमुख अधिकारियों से मिलने की संभावना है।

म्यूजिक वीडियो एल्बम,'हमनवा' की शानदार शुरुआत

प्रेसीडेंट प्रोडक्शन हाउस के बैनर के तले बन रहे म्यूजिक वीडियो एल्बम,' 'हमनवा' की शुरूआत किया गया और जिसके मुहूर्त की पार्टी मुम्बई के ताज होटल में रक्खी गयी थी।इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के छोटे भाई प्रह्लाद मोदी थे और जिनके साथ आनेरेरी कौंसल ऑफ दी यूनाइटेड रिपब्लिक ऑफ तंज़ानिया श्री कृष्णा पिम्पले,अल्सटाटे कंपनी के डायरेक्टर अजोयकान्त रुईया,प्रोग्रीड के डायरेक्टर तरुण आनंद,गजेरा डेवलपर के डायरेक्टर लीला गजेरा, फ़िल्म व टीवी निर्माता संजय श्रवण,हॉलीवुड एक्ट्रेस इलियाना,बॉलीवुड एक्ट्रेस अलीना व ज़ेबा खान इत्यादि उपस्थित रहकर पार्टी को चार चांद लगाया। एल्बम के निर्माता संजय श्रवण है, संगीतकार प्रदीप कोंटोले, गीतकार नवाब आरज़ू, गायक अमित मिश्रा है। यह एक रोमांटिक म्यूजिक एल्बम है।

सिनेबस्टर मैगज़ीन के मालिक रॉनी रॉड्रिग्स की बेटी डेलिसिया का 5 वा बर्थडे पार्टी का शानदार आयोजन

सिनेबस्टर मैगज़ीन के मालिक रॉनी रॉड्रिग्स ने मुम्बई के फाइव स्टार होटल जे डब्लू मेरिएट में अपनी बेटी डेलिसिया का 5 वा बर्थडे पार्टी का शानदार आयोजन किया जहां काफी फिल्मी सेलेब्रिटीज़ ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। डेलिसिया के पांचवे जन्मदिन पर कई मेहमान और मीडियाकर्मी इस समारोह को चार चांद लगाने आए।परियों के ड्रेस पहनी कई सुंदर महिलाओं के बीच जब रॉनी की अपनी लिटिल प्रिंसेस बेटी के साथ एंट्री हुई तो लग रहा था कि जैसे कोई शानदार फ़िल्म का कोई भव्य सीन शूट हो रहा हो। डेलिसिया काफी मासूम और क्यूट लग रही थीं। यहां खूबसूरत केक काटकर बच्ची का जन्मदिन मनाया गया। सभी ने बच्ची को बधाई दी। रॉनी रॉड्रिग्स ने यहां खूब डांस किया और आए हुए तमाम मेहमानों का खूब स्वागत और शुक्रिया अदा किया। इस बर्थडे पार्ट मे सेलेब्रिटी गेस्ट के तौर पर निर्माता निर्देशक मेहुल कुमार, ऐक्ट्रेस आरती नागपाल, संगीतकार दिलीप सेन, पंकज बेरी, अरुण बख्शी, सुरेंद्र पाल, योगेश लखानी, सन्दीप सोपारकर, कवलजीत सिंग, हॅरी वर्मा, सौरभ पटेल, लेझलीन, राजू टांक, पुनीत खरे, विकास महंते (मोदी), संजय सिंग, राजीव चौधरी, एलिना टूटेजा, संतोष गुप्ता, रणवीर गेहलोत, विजय सिंग, निर्मल मिश्रा, मॉडल-अभिनेत्री आद्या सिंह, दिलीप सेठी, मधू भरती, पियू चौहान, सुधीर गायकवाड, अशोक शेखर, बाबबी वत्स, भंडारी, कबीर, पन्नू, हेमंत सांगानी, आनंद बलराज (रामलखन), कल्याणजी जाना, इत्यादि हाज़िर हुए। सभी ने रॉनी रॉड्रिग्स की बेटी डेलिसिया को बर्थडे के लिए खूब मुबारकबाद और शुभकामनाएं दीं। अरुण बख्शी ने कहा कि कोरोना काल के बाद इस तरह की भव्य पार्टी का आयोजन रॉनी रॉड्रिग्स द्वारा किया गया है। उनकी पुत्री को जन्मदिन की खूब बधाई। बिल्कुल परियों जैसी लग रही है बच्ची। जीवन मे वह सारी खुशियां पाए, हमसब की यही दुआएं हैं।इस खास मौके पर आरती नागपाल ने कहा कि रॉनी जी ने यह बेहतरीन पार्टी अपनी बेटी के जन्मदिन के मौके पर रखी है। उनकी पांच साल की बेटी डेलिसिया बहुत ही प्यारी है उसको बर्थडे की ढेर सारी विशेज़।एक्टर पंकज बेरी ने यहां मीडिया से बात करते हुए बताया कि रॉनी जी की बेटी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने इस प्रोग्राम पर हम सबको आमंत्रित किया, यह बड़ा अच्छा लगा। उन्होंने सभी मेहमानों और मीडिया वालों के लिए भी इस खुशी के मौके पर खूब प्रबंध किया। हम सबको खुशी है कि कोरोना काल के बाद रौनक एक बार फिर छा गई है, इस तरह की पार्टियां होनी चाहिए।मुंडे मीडिया पीआर के रमाकांत मुंडे ने यहां मीडिया के सामने घोषणा की कि अगले माह जुहू के इसी होटल जे डब्लू मेरिएट में सिनेबस्टर अवार्ड्स का एलान किया जाएगा।गौरतलब है कि सिनेबस्टर मैगज़ीन के मालिक रॉनी रॉड्रिग्स ने इस फंक्शन में आए हुए तमाम गेस्ट्स के साथ मीडिया वालों से भी मुलाकात की, उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं और उनकी इस दरियादिली की सभी ने खूब तारीफ की।

मनी लॉन्ड्रिंग केस

ED की पूछताछ में भूमि पेडनेकर बोलीं- मैंने सुकेश चंद्रशेखर और उनकी एसोसिएट से किसी प्रकार के गिफ्ट नहीं लिए

ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में हाल ही में कुछ नए खुलासे हुए हैं। इसमें सारा अली खान, जाह्नवी कपूर और भूमि पेडनेकर के नाम सामने आए हैं। इसके बाद ईडी इन एक्ट्रेस से पूछताछ में जुट गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पूछताछ में भूमि ने बताया कि मैंने सुकेश से किसी प्रकार के कोई गिफ्ट नहीं लिए हैं।

सुकेश ने भूमि को भी फसाया अपने जाल में

भूमि पेडनेकर भी ऐसे ही सुकेश के जाल में फंस गईं। पिंकी ईरानी ने भूमि को जनवरी 2021 में अप्रोच किया। पिंकी ने अपना परिचय भूमि को न्यूज ऑर्गनाइजेशन की बतौर एचआर दिया था। पिंकी ने भूमि से कहा कि उनकी कंपनी के ग्रुप चेयरमैन सुकेश चंद्रशेखर उनके बहुत बड़े फैन हैं। वो उनसे एक बहुत बड़े प्रोजेक्ट के बारे में बात करना चाहते हैं। साथ ही पिंकी ने यह भी कहा कि सुकेश उन्हें एक गाड़ी भी गिफ्ट करना चाहते हैं। कुछ दिन बाद सुकेश ने भूमि से खुद कॉन्टैक्ट किया और खुद को शेखर बताया और कहा कि वो उन्हें एक प्रोजेक्ट और एक गाड़ी गिफ्ट करना चाहते हैं। भूमि ने ED से पूछताछ के दौरान बताया कि उन्हें सूरज उर्फ सुकेश से कोई गिफ्ट नहीं मिला है। इसके साथ ही मैंने ना ही उनकी एसोसिएट पिंकी ईरानी से गिफ्ट लिया।

200 करोड़ की वसूली का है यह मामला

यह मामला दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (EOW) में सुकेश और अन्य के खिलाफ कथित आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और करीब 200 करोड़ रुपए की जबरन वसूली को लेकर दर्ज FIR पर आधारित है। ED ने छापेमारी के बाद अपने बयान में कहा था, "सुकेश चंद्रशेखर इस धोखाधड़ी का मास्टरमाइंड है।

सोनू सूद को सताई यूक्रेन में फंसे भारतीयों की चिंता

भारत सरकार से किया छात्रों की मदद का आग्रह

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद उन अभिनेताओं में से हैं, जिन्होंने कोरोना के समय लोगों की काफी मदद की है। ऑक्सीजन से लेकर दवाएं पहुंचाने, दूसरे राज्यों मे फंसे लोगों को घर पहुंचाने तक उन्होंने लोगों की खूब मदद की है। इस समय सोनू सूद को रुस-यूक्रेन संकट के बीच यूक्रेन में फंसे भारतीय लोगों को लेकर चिंता जाहिर की है। बॉलीवुड अभिनेता ने भारत सरकार से आग्रह किया है कि यूक्रेन में फंसे भारतीय नागरिकों को वहां से किसी तरह वापस लाया जाए। रूस के राष्ट्रपति पुतिन द्वारा यूक्रेन पर हमले का आदेश देने के कुछ घंटों बाद अभिनेता ने गुरुवार को अपने ट्विटर अकाउंट पर यह बात कही। अभिनेता ने कहा कि वह यूक्रेन में फंसे भारतीयों की सुरक्षा के लिए 'प्रार्थना' कर रहे हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में #IndiansInUkrain भी लिखा।सोनू ने यूक्रेन में भारतीय दूतावास से नागरिकों को भारत वापस लाने के लिए एक वैकल्पिक रास्ता ढूंढने के लिए कहा। उन्होंने लिखा, '18000 भारतीय छात्र और कई परिवार यूक्रेन में फंसे हुए हैं, मुझे यकीन है कि सरकार उन्हें वापस लाने की पूरी कोशिश कर रही होगी। मैं भारतीय दूतावास से उन्हें निकालने के लिए एक वैकल्पिक रास्ता ढूंढने का आग्रह करता हूं।'

मनी लॉन्ड्रिंग केस:ED की पूछताछ में जैकलीन फर्नांडीज का खुलासा

कहा- मैं और सुकेश रिलेशन में थे, कॉनमैन बोला-एक्ट्रेस का केस से कोई लेना देना नहीं

कॉनमैन सुकेश चंद्रशेखर के मनी लॉन्ड्रिंग केस में रोज नए-नए खुलासे हो रहे हैं। अब हाल ही में ED की पूछताछ में जैकलीन ने खुलासा किया कि सुकेश और मैं रिलेशन में थे। वहीं एक्ट्रेस ने बताया कि सुकेश ने डायमंड रिंग देकर मुझे प्रपोज किया था।

हम रिलेशन में थे:जैकलीन ED की रिपोर्ट के मुताबिक, एक्ट्रेस ने पूछताछ में बताया कि मैंने सुकेश से करोड़ो रुपए के गिफ्ट लिए थे। क्योंकि हम रिलेशनशिप में थे। सुकेश ने मुझे डायमंड रिंग देकर प्रपोज किया था। इस रिंग में J और S बना हुआ था। बता दें सुकेश ने एक्ट्रेस को एस्पुएला नाम का एक घोड़ा, गुच्ची के 3 डिजाइनर बैग, गुच्ची के 2 जिम वियर, लुई विटॉ के एक जोड़ी शूज, हीरे की दो जोड़ी बालियां और माणिक का एक ब्रेसलेट, दो हेमीज ब्रेसलेट और एक मिनी कूपर कार शामिल है। रिलेशनशिप में थी इसलिए दिए गिफ्ट: सुकेश ED की पूछताछ में सुकेश ने बताया कि, मैं जैकलीन के साथ रिलेशनशिप में था। यही कारण है कि मैंने उन्हें मंहगे गिफ्ट दिए थे। सुकेश ने अपने बयान में यह भी कहा कि जैकलीन का इस केस से कोई लेना-देना नहीं है। सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी प्राइवेट फोटो एक्ट्रेस की सुकेश के साथ प्राइवेट फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं थी। इसके बाद जैकलीन ने सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट शेयर कर पर्सनल स्पेस में दखल न देने की अपील की थी।

इतनी बोल्ड ड्रेस पहन फरहान-शिबानी की पार्टी में पहुंचीं मलाइका, यूजर्स बोले- इतना अंगप्रदर्शन तो सनी लियोनी भी नहीं करती

फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर हाल ही में शादी के बंधन में बंधे हैं। दोनों ने अपनी शादी को प्राइवेट रखा था, लेकिन इनकी शादी का जश्न अभी खत्म नहीं हुआ है। कल रात, फिल्म निर्माता रितेश सिधवानी ने फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर की शादी का जश्न मनाने के लिए एक पार्टी रखी थी। इस पार्टी में कई मशहूर हस्तियां शामिल हुईं। इनमें करीना कपूर, मलाइका अरोड़ा, अमृता अरोड़ा और करिश्मा कपूर ने एक साथ एंट्री मारी। चारों अभिनेत्रियां बोल्ड ब्लैक लुक में थीं लेकिन जिनके लुक की सबसे ज्यादा चर्चा हुई वह थीं मलाइका अरोड़ा। उनकी ड्रेस की वजह से उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है और लोगों ने उनसे यह तक पूछ डाला कि क्या उन्हें उर्फी जावेद से प्रेरणा मिली है।

बोल्ड ड्रेस में पहुंचीं मलाइका

हमेशा अपने बोल्ड लुक्स को लेकर सुर्खियां बटोरने वालीं अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा एक बार फिर अपनी ड्रेसिंग सेंस के चलते नेटिजन्स के निशाने पर आ गई हैं। अभिनेत्री अपने गर्ल्स गैंग के साथ फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर की पार्टी में ट्रांसपेरेंट ब्लैक हॉट आउटफिट पहनकर पहुंची थीं। हालांकि अभिनेत्री का यह बोल्ड स्टाइल लोगों को बिल्कुल पसंद नहीं आया और इसके चलते उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा।

ट्रोलिंग का हुई शिकार

मलाइका की बोल्ड ड्रेस देख एक यूजर ने लिखा, "मतलब कुछ भी पहनना है, ऐसे कपड़े पहनकर कौन शादी में पहुंचता है।" तो दूसरे ने उनकी ड्रेस को फिशिंग नेट बताते हुए लिखा,

"स्विम सूट पर नेट लगा दी है, फिशिंग करने के लिए।" एक अन्य ने लिखा, "शादी में इतने वाहियात कपड़े कौन पहनता है।" वहीं एक ने लिखा- "इतना अंगप्रदर्शन तो अब सनी लियोनी भी नहीं करती।" अभिनेत्री की इस ड्रेस को लेकर उनकी इतनी किरकिरी हो गई कि एक यूजर ने उनकी इस ड्रेस की स्टाइलिस्ट 'उर्फी जावेद' को बता दिया।

गर्ल गैंग का ब्लैक लुक

मलाइका अरोड़ा के साथ-साथ इस फंक्शन में करिश्मा कपूर, अमृता अरोड़ा, करीना कपूर, दीपिका पादुकोण जैसी बड़ी हस्तियों ने भी शिरकत की।

ये सभी लोग ब्लैक आउटफिट्स में नजर आए। सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हो रही है, जिसमें मलाइका और उनका गर्ल गैंग फंक्शन में पहुंचता दिख रहा है। ऑल ब्लैक लुक में चारों हसीनाओं ने इस पार्टी में जमकर मस्ती की।

बॉबी देओल का एक और चौंकाने वाला अवतार

'लव हॉस्टल' नाम है उस इमारत का जिसमें घरवालों से भागकर शादी करने वाले जोड़े अदालत के आदेश पर पुलिस की सुरक्षा मे पनाह पाते हैं। इमारत का नामकरण इसकी चौकीदारी करने वाले एक पुलिसकर्मी ने कर रखा है। ओटीटी जी5 ने एक देसी कहानी पर फिल्म पेश करके फिर से हिम्मत का काम किया है। बॉबी देओल ने इस फिल्म के बारे में तब बताया था जब पिछली बार उनसे शाहरुख खान की कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की वेब सीरीज 'क्लास ऑफ 83' की रिलीज से पहले बात हुई थी। रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने ये फिल्म मनीष मूंदड़ा की कंपनी दृश्यम फिल्म्स के साथ मिलकर बनाई है। दोनों कंपनियां मिलकर इसके पहले संजय मिश्रा के साथ फिल्म 'कामयाब' बना चुकी हैं। शाहरुख खान का अपनी कंपनी की वेब सीरीज या ओरीजनल फिल्मों को बनाने में दखल शायद ही होता हो, क्योंकि अगर ऐसा होता तो वह कम से कम 'लव हॉस्टल' जैसी फिल्म तो कतई न बनाते। ये ठीक है कि देश में अब भी अपराध होते हैं, कानून के रखवाले अब भी अपराधियों की चाल से मात खाते हैं, लेकिन ऐसा भी कहीं नहीं है कि देश में कोई किसी एक इलाके में दर्जनों हत्याएं करता फिरे और पुलिस उसे दबोच ही न पाए। फिल्म 'लव हॉस्टल' सिनेमैटोग्राफर के साथ साथ पटकथा लेखन और निर्देशन का हुनर रखने वाले शंकर रमन का सोचा हुआ ख्वाब है। और, किसी ख्वाब जैसी ही ये फिल्म भी है। क्या क्या दिखता रहता है! और, फिर? झटके से ख्वाब टूट जाता है। हाथ कुछ नहीं आता। बस घड़ी देखकर समझ ये आता है कि 90 मिनट के करीब वक्त दर्शक वह देखता रहा है जिसका हासिल निकालना शायद इसकी टीम भी भूल गई। कहानी ऑनर किलिंग से ज्यादा हॉरर किलिंग की है। प्रेमी जोड़े अदालतों में घर वालों की मर्जी के खिलाफ शादी करने पहुंचते हैं। अदालत से घर वालों को सम्मन जाता है। और, अगली तारीख तक की मियाद उन्हें पुलिस की हिफाजत में एक ऐसी इमारत में गुजारनी है जहां रहना किसी सजा से कम नहीं। कहानी का असल किरदार है डागर जिसने ऐसे प्रेमी जोड़ों को ढूंढकर मार देने का बीड़ा उठा रखा है। कनपटी जली हुई है। दाढ़ी बढ़ी हुई है। नाक पर आगे तक लटक आने वाली ऐनक लगाता है। रान पर कटार बांधे फिरता है और साइलेंसर लगी पिस्तौल से खोपड़ी पर निशाना अचूक लगाता है। निर्देशक शंकर रमन की फिल्म 'लव हॉस्टल' अपने ट्रेलर में ही बता चुकी है कि इसे देखने के लिए कलेजे की जरूरत पड़ेगी। खून खराबा बहुत होगा। लेकिन, इसका असर दर्शकों के दिमाग पर कम करने या कहें कि परदे के खून खराबे की तरफ से ध्यान हटाने के लिए फिल्म में दो जगह बच्चे कातिल को बताते हैं कि उसके बदन पर खून लगा है। और, कातिल हैं कि न उन्हें पुलिस की परवाह है, न अपनों की और न ही अपने निशाने पर आए लोगों के अपनों की। एक सपाट सी कहानी है। दर्शकों को झटका देते रहने के लिए छिड़के गए फ्लैशबैक हैं। बस ऐसी कहानियों के लिए जरूरी इमोशन नहीं हैं। और, वह इसलिए क्योंकि इस कहानी में कोई हीरो नहीं है। दो जरायमपेशा एक दूसरे को मारने पर उतारू हैं। बीच में समलैंगिकता का तड़का भी है।

मजाक-मजाक में:रूस- यूक्रेन वॉर पर मजाक कर बुरी तरह ट्रोल हुए अरशद वारसी, इन सेलेब्स को भी सेंसेटिव मुद्दों पर जोक करना पड़ चुका है महंगा

बॉलीवुड एक्टर अरशद वारसी ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक मीम शेयर कर लोगों की भावनाएं आहत कर दी हैं। अरशद ने फिल्म गोलमाल के एक सीन को शेयर करते हुए इसे रूस-यूक्रेन के बीच चल रही जंग से जोड़ा है। इस संवेदनशील स्थिति में एक्टर का इस तरह का मजाक सोशल मीडिया यूजर्स को पसंद नहीं आया और लोगों ने उनकी आलोचना करनी शुरू कर दी। अरशद वारसी से पहले भी कई बॉलीवुड सेलेब्स मजाक करने पर बुरी तरह फंस चुके हैं।

एक वेब सीरीज के प्रमोशन के लिए भोपाल पहुंची श्वेता ने मीडिया के सामने कहा था कि उनकी ब्रा का साइज 'भगवान' ले रहे हैं। वीडियो सामने आते ही एक्ट्रेस पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगा। कुछ समय बाद राजधानी में रहने वाले सोनू प्रजापति ने श्वेता के खिलाफ FIR दर्ज कराई थी। बाद में एक्ट्रेस ने बयान पर सफाई देते हुए माफी मांगी थी।

अभिनेत्री अंकिता ने ओशिवारा पुलिस स्टेशन में किया शिकायत दर्ज

उर्वशी रौतेला के माँ के खिलाफ मुंबई के ओशिवारा पुलिस स्टेशन में एक एक्ट्रेस ने लिखित शिकायत दर्ज किया। पुलिस के अनुसार अभिनेत्री अंकिता सिंह ने मीरा रौतेला से फ्लैट रेंट पर लिया था।

दिसम्बर 22 तारीख को अंकिता का अग्रीमेंट खत्म हुआ। इससे पहले ही मीरा ने अंकिता को फ्लैट खाली करने के लिए बोला था लेकिन अंकिता ने फ्लैट खाली नही किया। अंकिता ने बताया कि उनके अग्रीमेंट खत्म होने से पहले ही 3 महीने से परेशान कर रही थी, इतना ही नही मीरा ने कॉल करके गालीगलौज और धमकी देने लगी। "मैं मीरा को बताया कि दूसरे जायगा फ्लैट मिलने के बाद फ्लैट खाली कर दूंगी, लेकिन मीरा मुझे रोज कॉल करके धमकी देने लगी। मैं जब शूटिंग के लिए बाहर गई तभी मीरा ने फ्लैट में ताला लगा दिया। और अभी तक नाही मेरा डिपॉजिट वापास किया नाही मेरा समान दिया," अंकिता ने बताया। पिछले चार दिन से अंकिता दर दर भटक रही हैं, आज उनके पास नही सोने के लिए घर हैं नही पहनने के लिए कपड़े। ओशिवारा पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अंकिता द्वारा दिया गया लिखित शिकायत मिला है। आगे की जांच शुरू हैं। जांच के बाद उचित करवाई किया जाएगा।

तकनीकी संस्थानों में TPO की भूमिका

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

TPO प्रशिक्षण और नियुक्ति प्रकोष्ठ छात्र सहायता और मार्गदर्शन के अंतर्गत एक अनुभाग है, जो छात्रों को उनके कौशल को विकसित करने और नौकरी के अवसर प्राप्त करने में मदद करने में माहिर है। TPO सेल प्लेसमेंट के अवसर प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है। प्रकोष्ठ को परिसर में भर्ती के लिए उद्योग और प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट के साथ गठजोड़ व्यवस्था बनाने में लगातार संलग्न होना आवश्यक है। भर्ती करने वालों को पात्र छात्रों का डेटा भेजने और उन्हें भर्ती के लिए आमंत्रित करने के लिए TPO सुसज्जित है। TPO सेल पेशेवर प्रशिक्षकों के माध्यम से योग्यता परीक्षण, समूह चर्चा, तकनीकी और मानव संसाधन साक्षात्कार की तैयारी में प्रशिक्षण का आयोजन और संचालन करता है। TPO संस्थान की प्रशिक्षण पहल उद्योग से जुड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करती है। TPO को उद्योग की प्रतिक्रिया एकत्र करने के लिए एक कुशल

प्रणाली की आवश्यकता होती है ताकि वह तंत्र विकसित कर सके जो विशेष पाठ्यक्रमों और प्रशिक्षणों के पाठ्यक्रम को चला सके जो संस्थान योग्यता में सुधार के लिए प्रदान कर सकता है। आज, डिजिटल प्रोफाइलिंग और प्रोजेक्शन के माध्यम से ब्रांड निर्माण और प्रक्षेपण का कौशल पहुंच का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। TPO संस्थान के स्थापित पूर्व छात्रों के साथ जुड़ने में छात्रों का समर्थन करने और अनुकूल संवाद का एक सेतु बनाने में मदद करता है। छात्रों को TPO की गतिविधियों से जुड़ने के लिए स्वयं प्रेरित होना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनके द्वारा हासिल किए गए कौशल उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। अच्छी तरह से संगठित TPO वाले संस्थानों ने वैश्विक मानकों के अनुरूप अपने स्नातकों की रोजगार योग्यता को सफलतापूर्वक बढ़ाया है। TPO की सिफारिशें मूल्यवान हैं क्योंकि वे कार्यक्रम के दौरान उम्मीदवार द्वारा अर्जित तकनीकी ज्ञान और कौशल का समर्थन करते हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर कृष्णा चौहान द्वारा आयोजित होगी मिस एंड मिसेज इंडिया व नारी शक्ति सम्मान

मुम्बई। आगामी 8 मार्च को भारत सहित विश्व भर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस काफी उत्साह से मनाया जाएगा। यह दिन महिलाओं को बधाई देने, उन्हें सम्मानित करने का एक विशेष मौका होता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर 7 मार्च 2022 को डॉ कृष्णा चौहान मुम्बई में मिस एंड मिसेज इंडिया और नारी शक्ति सम्मान 2022 का भव्य आयोजन करने जा रहे हैं। केसीएफ और केसीपी द्वारा 7 मार्च 2022 को आयोजित होने जा रही मिस एंड मिसेज इंडिया ब्यूटी कांटेस्ट और नारी शक्ति सम्मान की ज्यूरी मेम्बर्स में डॉ कृष्णा चौहान, एसीपी बाजीराव महाजन, डॉ परिन सोमानी, डॉ दीपा नारायण झा, सुजाता शर्मा और फैशन डिजाइनर सरला पाण्डेय का नाम उल्लेखनीय है। कृष्णा चौहान ने बताया कि इस दिन का संबंध हमारे देश की महिला शक्ति से है। इसलिए हम महिला दिवस की पूर्व संध्या पर उन्हें विशेष

सम्मान देने जा रहे हैं। इस पुरस्कार को प्राप्त करने वाली कुछ महिलाएं हैं जिनमें एमएलए डॉ भारती लव्हेकर, गायिका अभिनेत्री सलमा आगा, अभिनेत्री उपासना सिंह, गायिका ऋतु पाठक, मधुश्री, श्वेता तिवारी, पूनम झावर राखी सावंत, ज़ीनत एहसान कुरैशी, प्रेमा किरण, सुंदरी ठाकुर इत्यादि। आपको बता दें कि डॉ कृष्णा चौहान एक फ़िल्म निर्देशक के अलावा समाज सेवक भी हैं। साथ ही अवार्ड फंक्शन करने के मामले में सबसे अधिक सुर्खियों में रहने वाले व्यक्ति हैं। एक अवार्ड शो सम्पन्न होते ही वह अपने अगले पुरस्कार समारोह की तैयारियों में लग जाते हैं। नए साल 2022 में उन्होंने मुम्बई के मेयर हॉल में "बॉलीवुड आइकोनिक अवार्ड 2022" का सफल आयोजन किया। केसीएफ द्वारा यह अवार्ड लगातार तीसरे वर्ष आयोजित किया गया। 12 फरवरी 2022 को आयोजित हुए इस शानदार अवॉर्ड फंक्शन में बॉलीवुड की कई हस्तियां मौजूद रहीं जिनमें एसीपी बाजीराव महाजन, गजेंद्र चौहान, अनु मलिक, दीपा नारायण झा, एहसान कुरैशी, अली खान, सुनील पाल इत्यादि का नाम उल्लेखनीय है। इस अवसर पर बॉलीवुड की सेलिब्रिटीज़ सहित सोशल वर्क के लिए कई हस्तियों को सम्मानित किया गया। कृष्णा चौहान फाउंडेशन (केसीएफ) के अंतर्गत कृष्णा चौहान बॉलीवुड लीजेंड एवॉर्ड, बॉलीवुड आइकोनिक एवॉर्ड, लीजेंड दादासाहेब फाल्के एवॉर्ड और महात्मा गांधी रत्न अवार्ड का आयोजन पिछले कई वर्षों से कर रहे हैं। 4 मई 2022 को अपने बर्थडे के दिन डॉ कृष्णा चौहान लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2022 का आयोजन करने वाले हैं।

भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आम्बेडकर मेमोरियल अस्पताल भायखला, मध्य रेल को कॉक्लियर इंप्लांट भेंट

संवाददाता । मुंबई गत 22 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई में आयोजित एक समारोह में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आम्बेडकर मेमोरियल हॉस्पिटल भायखला की ओर से मध्य रेल के महाप्रबंधक अनिल कुमार लाहोटी ने फैवेली ट्रांसपोर्ट रेल टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एफटीआरटीआई प्रा. लिमिटेड) द्वारा भेंट किए गए कॉक्लियर इंप्लांट प्राप्त किए। मध्य रेल ने रेलवे अस्पताल, भायखला के ईएनटी विभाग में सर्जरी की प्रतीक्षा कर रहे जरूरतमंद बधिर रोगियों को वांछित विनिर्देशों के इन कॉक्लियर इम्प्लांट्स के भेंट को प्रायोजित करने के लिए (एफटीआरटीआई प्राइवेट लिमिटेड) जैसे मजबूत सीएसआर कार्यक्रमों के साथ संगठनों से संपर्क किया है।मध्य रेल के प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता अशोक कुमार गुप्ता और मुख्य कारखाना प्रबंधक, परेल विवेक आचार्य ने सीएसआर इनिशिएटिव ऑफ फैवेली के तहत अमेरिका स्थित कंपनी एडवांस्ड बायोनिक्स द्वारा हाई एंड कॉक्लियर इम्प्लांट्स के 10 नग के भेंट का समन्वय किया है। फैवेली ट्रांसपोर्ट रेलवे टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड रेलवे में उपयोग की जाने वाली प्रणालियों का एक विश्व-अग्रणी आपूर्तिकर्ता है। अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि अस्पताल का ईएनटी विभाग भारतीय रेलवे के सबसे अच्छे अस्पतालों में से एक है, जिसमें क्रिटिकल कॉक्लियर इंप्लांट सर्जरी करने की क्षमता है। यदि प्रत्यारोपण सही उम्र में किया जाता है, तो यह बच्चों के लिए अनुभव और अवसरों की एक पूरी नई दुनिया खोलता है। वास्तव में, यह सबसे बड़ा उपहार है जो हम उन बच्चों को दे सकते हैं जो हमारे देश का भविष्य हैं।

मध्य रेल मुख्यालय पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 176वीं बैठक संपन्न

संवाददाता। मुंबई मध्य रेल, मुख्यालय, मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर 23 फरवरी को महाप्रबंधक अनिल कुमार लाहोटी की अध्यक्षता में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 176वीं प्रतीयमान (वर्चुअल) बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मध्य रेल के सभी प्रधान विभागाध्यक्षों, सभी मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधकों एवं मुख्य कारखाना प्रबंधकों आदि ने भाग लिया। इस अवसर पर महाप्रबंधक द्वारा मुख्यालय राजभाषा विभाग की हिंदी गृह पत्रिका रेल सुरभि के अंक 29 का विमोचन किया गया। तत्पश्चात क्षेत्रीय रेल हिंदी निबंध, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन तथा वाक् प्रतियोगिताओं के विजेता कर्मचारियों को महाप्रबंधक जी के कर-कमलों से प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। उप महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री विपिन पवार ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और बैठक की रूपरेखा संक्षेप में प्रस्तुत की। अगले चरण में बैठक को संबोधित करते हुए प्रधान मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर तथा मुख्य राजभाषा अधिकारी ए. के. श्रीवास्तव ने कहा कि इस बैठक के माध्यम से पिछली तिमाही में अलग-अलग कार्यालयों में हुई राजभाषा की प्रगति का जायजा लेने के लिए हम सब एकत्रित होते हैं उन्होंने सभी सदस्यों से हिंदी कार्यशालाओं में प्रशिक्षित कर्मचारियों से प्रतिदिन थोडा-बहुत कार्य हिंदी में करवाने तथा मुख्यालय राजभाषा विभाग की गृह पत्रिका रेल सुरभि के लिए अधिक से अधिक रचनाएं भिजवाने हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रेरित करने का आग्रहकिया उन्होंने कहा कि हमारा सपना मध्य रेल को राजभाषा युक्त बनाना है। इसके पश्चात बैठक के अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक अनिल कुमार लाहोटी ने मुख्यालय राजभाषा विभाग की गृह पत्रिका रेल सुरभि के सुंदर प्रकाशन के लिए संपादक मंडल को बधाई दी। उन्होंने सभी सदस्यों से जनसंपर्क से जुडी मदों पर विभागीय निरीक्षणो के दौरान विशेष ध्यान देने तथा बेबसाइट पर सभी जानकारियां अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में अपलोड करने की अपील की। उन्होंने सभी सदस्यों को छुट्टी के आवेदन और दौरा कार्यक्रम केवल हिंदी में प्राप्त होने पर ही स्वीकृत करने के निर्देश दिए। इसके बाद बैठक की कार्यसूची की विभिन्न मदों पर सभी सदस्यों के साथ विस्तार से चर्चा की।

मनपा आयुक्त द्वारा वार्ड संख्या दो का निरीक्षण

संवाददाता । भाईंदर

मीरा भायंदर मनपा आयुक्त दिलीप ढोले ने ओम साईबाबा नगर, जय बजरंग नगर, गणेश देवल नगर, गणेश आनंद नगर, अन्ना नगर, भायंदर पश्चिम थाना मछली बाजार, शास्त्री नगर और नेहरू नगर में

सार्वजनिक शौचालयों का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त विजय कुमार म्हसाल, उपायुक्त अजीत मुठे, स्थानीय नगरसेवक उप अभियंता नितिन मुकने, उप अभियंता शरद नानेगांवकर, सहायक आयुक्त कविता बोरकर, सहायक आयुक्त प्रभाकर म्हात्रे, उद्यान अधीक्षक हंसराज मेश्राम, कनिष्ठ अभियंता, दस्ते ने निरीक्षण किया. प्रधान स्वच्छता निरीक्षक, उद्यान लिपिक एवं कर्मचारी भी इस अवसर उपस्थित रहे।

आयुक्त ने सार्वजनिक शौचालयों के निरीक्षण के दौरान शौचालयों की सफाई को अधिक महत्व देने के निर्देश दिये. आयुक्त ने लोक निर्माण विभाग को सार्वजनिक शौचालयों के दरवाजों की मरम्मत करने, टूटे दरवाजों की तुरंत मरम्मत करने, बर्तनों की मरम्मत, नलसाजी, बिजली के बल्ब लगाने, शौचालय की इमारत को पेंट करने और गणेश आनंद नगर में शौचालय भवन की मरम्मत के निर्देश दिए. आयुक्त ने स्वच्छता निरीक्षक श्रीकांत धीवर और ठेकेदार को उचित मात्रा में पानी का उपयोग करके नियमित रूप से शौचालय क्षेत्र की सफाई जारी रखने के भी निर्देश दिए साथ ही आयुक्त दिलीप ढोले ने शौचालय के उपयोग के लिए आने वाले नागरिकों को उचित पानी की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

टिप्स ओरिजिनल एंड टिप्स हरियाणवी प्रस्तुत करता है न्यू हरियाणवी सॉन्ग "ज़हर" का आधिकारिक वीडियो

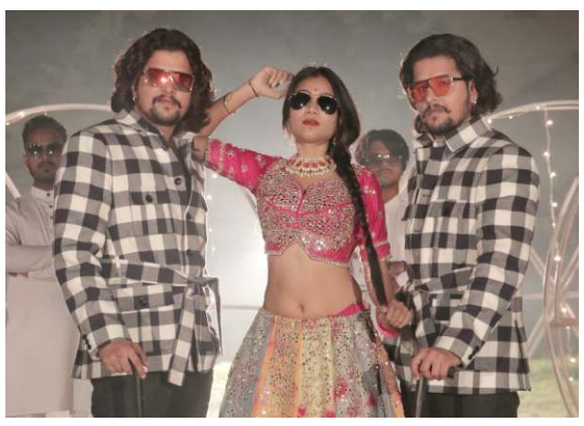

*गीत - विश्वजीत चौधरी और किरण, परमजीत पंवार द्वारा लिखित, संगीत विश्वजीत चौधरी द्वारा रचित, निर्देशक: हैप्पी दारसुल, करतब: कनिष्क शर्मा और श्रीकृष, डीओपी: मुनीश शर्मा, संपादक: मनीष पंघाल * कल रिलीज हुई 'जहर' रिलीज के बाद तुरंत हिट हो गई। गीत एक मिनट के भीतर डिस्को शैली से रेट्रो शैली में चला जाता है, यह आपको एक शैली से दूसरी शैली में ले जाता है जिससे आप मिनटों में अलग-अलग भावनाओं का अनुभव कर सकते हैं। अद्भुत रचना और गायन के अलावा, पार्श्व संगीत भी अद्भुत है। विश्वजीत चौधरी और किरण बोली "ज़हर एक ऐसा गीत है जो मुख्यधारा के लेबल में नहीं आता है लेकिन फिर भी आपका मनोरंजन करता है"

25 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बचाव दल ने 50 फीट गहरे बोरवेल में फंसे मासूम को बचाया, खुशी से रो पड़े परिजन

राजस्थान के सीकर के बिजारणिया की ढाणी में 25 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद आखिरकार मासूम बच्चे को बोरवेल से बाहर निकाल लिया गया। इसके लिए बचाव दल को खासी मशक्कत करनी पड़ी। मासूम बच्चे को सकुशल देख परिजनों में खुशी की लहर दौड़ गई और मां उसे गले लगाकर रो पड़ी। बोरवेल से बच्चे को निकालने के बाद प्रशासन ने मासूम को एंबुलेंस से तुरंत अस्पताल भेजा। बचाव अभियान के दौरान बच्चे के माता-पिता और बहन कैमरे पर देखकर रातभर उसे आवाज लगाते रहे। मासूम बच्चा 50 फीट गहरे बोरवेल में फंसा था। बचाव दल की टीम ने करीब 50 फीट तक खुदाई की। 50 फीट गहरे बोरवेल में गिरा था मासूम गुरुवार देर शाम से एसडीआरएफ सहित अन्य बचाव दल रेस्क्यू अभियान चला रहे थे। बचाव दल की टीम ने बोरवेल में टोकरी लटका कर मासूम रविन्द्र को ऊपर लाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। चार साल का मासूम टोकरी की रस्सी पकड़ लेता था पर उस पर चढ़ नहीं पाता था। उधर, बचाव दल की टीम बोरवेल के पास खुदाई कर एक सुरंग बनाने में लगी रही। 50 फीट गहरे बोरवेल तक पहुंचने के लिए टीम ने खुदाई का काम लगातार किया। बचाव दल की टीम ने बच्चे तक पाइप के जरिए ऑक्सीजन पहुंचाई। उसे खाने के लिए बिस्किट भी दिए गए। बच्चे के परिजन उससे लगातार बात भी कर रहे थे। बच्चे के बोरवेल में गिरने के बाद से उसके माता-पिता और बहन का बुरा हाल था।

दंगल टीवी के मोस्ट पॉपुलर शो रक्षाबंधन में हमलावरों ने घरवालों को बना लिया बंधक, टीवी एक्ट्रेस शीन दास की हुई एंट्री

दंगल टीवी के मोस्ट पॉपुलर शो रक्षाबंधन रसाल अपने भाई की ढाल में अब खतरनाक सीक्वेंस आने वाला है। हमलावर गांव पर हमला कर देते हैं और घरवालों को बंधक बना लेते हैं। ऐसे में शिवा क्या करता है इसके लिए आपको अपकमिंग एपिसोड देखना होगाशिवा का रोल कर रहे निशांत मल्कानी ने कहा कि अब तक दर्शक देखते आए हैं कि कैसे रसाल और शिवा एक दूसरे की ढाल बनते आए हैं। अब इस सीक्वेंस में शिवा और रसाल अटैकर्स से कैसे गांव व देश को बचाते हैं यह देखने को मिलेगा। हमारे शो में अब तक यह मिस्ट्री कायम है कि उमेद सिंह है या बलवंत है। सबूत यह बता रहे हैं कि बलवंत है इसलिए उन्हें बांधकर रख लिया गया है। उसी वक्त हमारी हवेली के बाहर यह ऐलान किया जाता है कि कुछ हमलावर हमारे गाँव में घुसपैठ कर चुके है, बचके रहिए। यह सुनते ही शिवा चौकन्ना हो जाता है, और हमलावरों का पता लगाने के लिए वह निकलता है। यह अभी तक की सबसे डेंजरस सिचुएशन है जिसका शिवा रसाल को सामना करना है। उन हमलावरों की लीडर बिजली का रोल किया है टैलेंटेड आर्टिस्ट शीन दास ने।2014

से इंडस्ट्री में काम कर रही शीन दास को पिया अलबेला, शादी के सियापे में देखा गया था। एक्ट्रेस शीन दास ने बताया कि रक्षाबंधन शो में मेरी नई एंट्री हुई है इसे आप कैमियो कह सकते हैं। इसमें मैं बिजली नाम की नेगेटिव भूमिका निभा रही हूं। मेरी वजह से शिवा को बहुत बड़ी प्रॉब्लम से जूझना पड़ता है। उन्हें घर, गांव और देश बचाना है। यह बहुत ही डार्क, निर्दय,कोल्ड किरदार है। लुक टेस्ट के बाद मेरा सेलेक्शन हुआ और सेट पर हम काफी रिहर्सल भी करते हैं। बिजली को यह घर काफी सेफ लगा, इसलिए उसने यहां डेरा डाल दिया है ताकि आराम से प्लान रच सकेरसाल का रोल कर रही वर्षा शर्मा ने कहा कि हमारे घर गांव में कुछ हमलावर आ जाते हैं और फिर हमारे भाई साहब कैसे हमें बचाते हैं, यही आज का सीक्वेंस है। हमें बेहद खुशी हो रही है कि हमारे शो को खूब अच्छी रेटिंग मिल रही है, उम्मीद है कि इस तरह के सीक्वेंस और कुछ नए किरदारों की एंट्री से शो और भी पसन्द किया जाएगा।चकोरी का किरदार निभा रही नायरा बनर्जी ने कहा कि चकोरी महारानी से नौकरानी बना दी गई है इसलिए वह उदास है। मुझे धोखे में डालकर मेरी शादी मूंग से करा दी गई। मैं उमेद से शादी करने वाली थी ताकि मैं ठकुराइन बन जाती लेकिन मेरे साथ बड़ी धोखेबाजी हुई है। हर बार कुछ चाल चलती हूँ, दिमाग लगाती हूँ जीतती भी हूँ मगर इस बार गड़बड़ हो गई है। फिर से मैं कैसे महारानी बनूँ इसी सोच विचार में रहूंगी। और एक दिन बनकर दिखाउंगी। चकोरी हूँ मैं लूट लूंगी।मेनका का रोल कर रही शालिनी ने बताया कि वह शो में शिवराज की दूसरी पत्नी का रोल कर रही हैं। वह चकोरी की शागिर्द है और लुटेरी दुल्हन बनकर आई थी लेकिन अब मेनका का हृदय परिवर्तन हो गया है और वह पॉज़िटिव हो गई है। मैंने यह खुलासा किया था कि उमेद सिंह ही बलवंत सिंह है और अब हमें लग रहा था कि घर मे शांति हो जाएगी कि तभी घर पर हमला हो जाता है। हम सबको हमलावर बंदी बना लेते हैं उसके बाद देखिए क्या होता है। भले ही घर मे लोग एक दूसरे से लड़ते हैं मगर इस हमले में पूरा परिवार एक हो जाता है। इस एपिसोड में परिवार की शक्ति और देशभक्ति दोनों देखने को मिलेगी।समर का रोल कर रहे फरमान हैदर ने कहा कि घर मे हमने शांति पूजा भी करा ली है मगर हमारे घर मे सुख शांति नहीं है। कुछ हमलावर हमारे घर गाँव पर हमला कर देते हैं और एक नई बला हमारे सिर पर आ जाती है।दंगल टीवी के शो रक्षाबंधन में नायरा बनर्जी, निशांत मल्कानी, वर्षा शर्मा, वैशाली ठक्कर सहित कई कलाकार हैं। सीरियल में शीन दास और बहज़ाद खान की नई एंट्री हुई है। दंगल टीवी पर सीरियल रक्षाबंधन सोमवार से शुक्रवार शाम 7:30 बजे प्रसारित किया जाता है।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।